आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

वर्ष : 27 | अंक : 257 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 05 सितंबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

नोएडा में करोड़ों रुपये के फार्म हाउस डूबे

कई सेक्टरों में भरा बाढ़ का पानी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा और ग्रेटर नोएडा का डूब क्षेत्र भी यमुना की चपेट में है। यमुना नदी का पानी पूरे उफान पर है। नोएडा के सेक्टर-150 के पास यमुना में आई बाढ़ में करोड़ों रूपये के फार्म हाउस डूब गए हैं। वहीं, यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से नोएडा सेक्टर-135, 151 में जलभराव देखा गया। प्रशासन ने निचले इलाकों में सतर्कता और निकासी के निर्देश दिए हैं। नोएडा के सेक्टर-128 और 167 में भी बाढ़ जैसे हालात वाली तस्वीरें आ रही हैं।

यमुना के किनारे करोड़ों की प्रॉपर्टी खरीदकर फॉर्म हाउस आदि बनाने वालों के मंसूबों पर यमुना का पानी फिर गया है। नोएडा में यमुना के बढ़ते जलस्तर की तस्वीरों में स्पष्ट दिख रहा है कि खेत खलिहान से लेकर महंगे फॉर्म हाउस भी पानी में पूरी तरह डूब चुके हैं।

ग्रेटर नोएडा के दनकौर क्षेत्र के लतीफपुर गांव के घरों में बाढ़ का पानी घुस आया है। बाढ़ के डर से लोग निकलकर सुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं।गांव के प्राथमिक और जूनियर विद्यालय भी पानी में पूरी तरह डूब चुके हैं।

जनपद के 43 गाँव बाढ़ से प्रभावित

गौतमबुद्धनगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम ने बताया कि जनपद में अब तक तहसील सदर के 12, दादरी के 6 और जेवर क्षेत्र के 25 ग्राम प्रभावित हुए हैं। लगभग 3800 की जनसंख्या प्रभावित है, जिनमें से 2637 लोग विभिन्न बाढ़ शरणालयों में ठहराए गए हैं। यहाँ सामुदायिक रसोई के माध्यम से तीनों समय भोजन की समुचित व्यवस्था की गई है।

आमजन की सुविधा के लिए बाढ़ कंट्रोल रूम 24 घंटे सक्रिय है, जिसके दूरभाष नंबर 0120-2978231, 2978232 और 2978233 जारी किए गए हैं। अब तक दादरी में 160 और सदर क्षेत्र में 260, इस प्रकार कुल 420 राहत किट वितरित की जा चुकी हैं

मथुरा-वृंदावन के कई गाँव बने टापू

यमुना से सटी दर्जनों कालोनियों में भरा पानी, अलर्ट जारी

मथुरा (एजेंसी)। यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। दिल्ली-एनसीआर में हालात बिगड़ने के बाद उत्तर प्रदेश के मथुरा और वृंदावन के कई इलाकों में भी पानी भर गया है।

जिले में करीब एक दर्जन गांव टापू बन गए हैं, जबकि मथुरा-वृंदावन में यमुना से सटी दर्जनों कॉलोनियों में चार-चार फीट तक पानी भर गया है। कुछ गांवों की देहरी तक भी पानी पहुंच गया है। प्रशासन ने यमुना जलस्तर को लेकर शुक्रवार और शनिवार को हाई अलर्ट जारी किया है बृहस्पतिवार रात से और जलस्तर बढ़ने की आशंका जताई है। डीएम समेत आला अधिकारी लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी कर रहे हैं और लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील भी की है। अब तक करीब 1500 विस्थापितों को राहत शिविरों में भेजा जा चुका है।

नौहझील, मांट, छाता समेत यमुना से सटे अन्य क्षेत्रों के 23 गांव बाढ़ प्रभावित हैं। इनमें से 13 गांव ऐसे हैं, जो पूरी तरह यमुना के पानी की चपेट में हैं। इनमें सबसे अधिक नौहझील क्षेत्र से करीब नौ गांव शामिल हैं। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

विश्राम घाट बाढ़ की चपेट में

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा में यमुना नदी में आई बाढ़ का असर साफ दिखाई दे रहा है। विश्राम घाट भी इस बाढ़ की चपेट में है। यमुना के पानी ने पूरे घाट को अपनी आगोश में ले लिया। ये वही घाट है जहां भगवान कृष्ण ने कंस का वध करने के बाद विश्राम किया था। तब इसे विश्राम घाट के नाम से जाना जाता है। लोगों ने बताया कि बाढ़ के कारण हालत खराब है। हालांकि, श्रद्धालु अभी भी पूजा करने के लिए इस घाट पर आ रहे हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यमुना का जलस्तर बढ़ने से मथुरा के हालात बिगड़ गए हैं। ऐतिहासिक विश्राम घाट पानी में समा गया है। घाट पर बने मंदिर और उनके पिलर भी पानी में डूबे हुए हैं।

बारावफ़ात जुलूस को लेकर मुस्तैद पुलिस

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी द्वारा बारावफ़ात जुलूस को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने के लिए थाना बिसरख व थाना सूरजपुर क्षेत्र के अंतर्गत जुलूस मार्गों पर पुलिस बल के साथ फुट पेट्रोलिंग की गई।

इस दौरान उन्होंने सुरक्षा-व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए जुलूस मार्ग का जायजा लिया तथा **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन ईद-ए-मिलादुन नबी के मौके पर गौतमबुद्धनगर के कस्बा दनकौर में जुलूस निकालते मुस्लिम समाज के लोग।

एक्वा लाइन विस्तार को लेकर NMRC की पहल तेज

डीडीसी की नियुक्ति को लेकर कंसल्टेंसी एजेंसियों संग की बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) द्वारा प्रस्तावित एक्वा लाइन विस्तार परियोजनाओं के लिए विस्तृत डिज़ाइन सलाहकार (डीडीसी) की नियुक्ति को लेकर प्री-बिड बैठक आयोजित की गई। यह बैठक एनएमआरसी मुख्यालय में कार्यकारी निदेशक महेंद्र प्रसाद (आईएएस) की अध्यक्षता में हुई, जिसमें 10 से अधिक प्रतिष्ठित डिज़ाइन कंसल्टेंसी एजेंसियों ने हिस्सा लिया।

एनएमआरसी ने 18 अगस्त 2025 को ई-टेंडर आमंत्रित किए थे, जिसके अंतर्गत नोएडा सेक्टर-51 से नॉलेज पार्क-V, सेक्टर-142 से बोटैनिकल **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

ग्रीन बेल्ट, सेंट्रल वर्ज, पथवृक्षारोपण में लापरवाही बरतने वाले प्रतिष्ठानों को नोटिस देने के निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में विभिन्न संस्थाओं एवं प्रतिष्ठानों द्वारा गोद लिये गए ग्रीन बेल्ट, सेंट्रल वर्ज, पथवृक्षारोपण के संबध में सीईओ ने समीक्षा की। बैठक में आईडीमिया, डीएलएफ, अडानी कॉनेक्स, डीएस ग्रुप, आरक्यूब, एडवांट, आर्ट ऑफ लिविंग, गिव मी ट्रीज (पीपल बाबा), सीएण्डएस एवं एनएसएल इंफ्राटेक कम्पनीज एवं सस्थाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस मौके पर नोएडा क्षेत्र में आईडीमिया, आरक्यूब, आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा सौन्दर्याकरण के अंतर्गत वृक्षारोपण आदि कराये गये कार्यों की **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

तीन बड़े बिल्डरों के खिलाफ जारी होगी आरसी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के तीन बड़े बकायेदारों के खिलाफ अब वसूली के लिए आरसी जारी की जाएगी। नोएडा प्राधिकरण ने जिलाधिकारी को आरसी जारी कर वसूली के लिए पत्र लिखा है। इन तीनों बिल्डरों को कई बार नोटिस जारी किया गया। इसके बाद भी बकाया जमा नहीं किया गया।

ग्रुप हाउसिंग भूखंड संख्या जीएच-2 सेक्टर-78 महागुन रियल स्टेट प्रालि को 18 अप्रैल 2010 को आवंटन किया गया। 18 मई 2010 को लीज डीड कराते हुए जमीन पर कब्जा दिया गया। बिल्डर को बकाया पैसा जमा करने के लिए नोटिस जारी किए गए है। लेकिन बकाया पैसा जमा नहीं किया गया। यही नहीं शासनादेश के तहत 21 दिसंबर 2023 को कोविड-19 का लाभ दिया गया। जिसके बाद कुल बकाया का 25 प्रतिशत जमा करने के लिए कहा गया। ये पैसा भी जमा नहीं किया गया। आवंटी पर 31 अगस्त तक 116.96 करोड़ का बकाया है।

ग्रुप हाउसिंग भूखंड संख्या जीएच-1 सेक्टर-77 मैसर्स प्रतीक रियल्टर्स प्रालि को 31 मार्च 2010 को आंवटन किया गया। 26 मई 2010 को लीजडीड करते हुए जमीन पर कब्जा दिया गया। शासनादेश के तहत कोविड-19 का लाभ दिया और 25 प्रतिशत पैसा जमा करने **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

'कथा एक कंस की' का मंचन कल, रिहर्सल पूरा

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-12 के ईशान म्यूजिक कॉलेज में चल रहे नाटक 'कथा एक कंस की' का रिहर्सल समापन की ओर है। कल इस नाटक का मंचन किया जाएगा। जिसमें बतौर अतिथि नोएडा के विधायक पंकज सिंह तथा अन्य गणमान्य हस्तियां मौजूद रहेंगी। इस नाटक के लेखक प्रख्यात **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com

RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

श्रद्धांजलि

हमारे पूजनीय पिता जी
श्री ओम प्रकाश खत्री जी
ने एक संतुष्ट, सम्मानित और स्नेहपूर्ण जीवन जीकर हमें मधुर स्मृतियाँ, स्नेह और आशीर्वाद देकर विदा ले ली है।
उनकी आत्मा की शांति हेतु तेरहवीं का आयोजन किया गया है।

तेरहवीं/प्रार्थना सभा
तारीख - 6 सितंबर 2025
समय - दोपहर 1 बजे से
स्थान- Club-27, Sector-27, Noida
Entry Gate No- 08
Map QR Code

ऑप्टिकल प्वाइंट
सुपरटेक इको सिटी मार्ट, सेक्टर-137 नोएडा।
संजय खत्री, वंश खत्री एवं समस्त खत्री परिवार
9899995512, 8377853737

मदद का जज्बा

उत्तर से दक्षिण भारत तक जब भी कोई आपदा या संकट देश पर आया है, पंजाबियों ने आगे बढ़-चढ़कर पीड़ितों की मदद की है। पंजाब की धरा से गुरुओं व पीर-पैगम्बरों ने मानवता के उत्थान व मिल-जुलकर खाने की सीख दी है। गुरुओं का यह संदेश देश-दुनिया में प्रेरणा का प्रतीक बना हुआ है। ऐसे वक्त में जब पंजाब बाढ़ की विभीषिका से जूझ रहा है तो शेष देश के लोगों को निस्वार्थ भाव से आगे आने की जरूरत है। उल्लेख करना जरूरी है कि पंजाब के लोग हमेशा बेहद स्वाभिमानी रहे हैं। इस सीमावर्ती राज्य ने गाहे-बगाहे विभिन्न चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया है। मध्यकाल में विदेशी आक्रांता रहे हों या आजादी के बाद पाकिस्तान के आक्रमण, पंजाबियों ने भारत की सुरक्षा ढाल बनकर जीवटता का परिचय दिया है। यहां जरूरी है कि किसी मदद से पहले पंजाबियों के स्वाभिमान का विशेष ख्याल रखा जाए। यूं तो इस आपदा की घड़ी में सेना के अलावा पंजाब के विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक संगठन अपने स्तर पर लोगों को संकट से उबारने के काम में प्राणपण से लगे भी हुए हैं। लेकिन आपदा का बड़ा स्तर देखते हुए शेष देश से योगदान की उम्मीद की जा रही है। निस्संदेह, आपदा का दायरा बड़ा है, जिसमें राज्य के 23 जिलों में करीब तीन लाख से अधिक लोग जलप्लावन का त्रास झेल रहे हैं। बड़े पैमाने पर कृषि भूमि जलमग्न हुई है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि संकट की इस घड़ी ने लोगों को स्वतस्फूर्त रूप में एकजुट किया है। पंजाबियों का जज्बा देखिए कि सरकारी मदद पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने उफनते पानी में नावें उतार दीं। उन्होंने न केवल पड़ोसियों, बच्चों-बूढ़ों को बचाया, बल्कि पशुओं को बचाने के लिये भी भरसक प्रयास किए। सारी दुनिया में मानवता का पर्याय बने लंगर लगाए गए। जगह-जगह अस्थायी आश्रय स्थल बनाए गए। बिना किसी संकोच के राशन बांटा गया। निस्संदेह, पंजाबियों की यह भावना कोई पहली बार नहीं देखी गई। अपने देश में ही नहीं, विदेशों में भी मदद के तमाम प्रेरणादायक उदाहरण हमारे सामने हैं। अब चाहे तुर्की का भूकंप हो या केरल में प्राकृतिक आपदा का तांडव, पहले प्रतिक्रिया देने वालों के रूप में पंजाबियों की विशिष्ट पहचान रही है। खालसा एड, यूनाइटेड सिख्स, हेमकुंट फाउंडेशन और अनगिनत स्थानीय गुरुद्वारों से जुड़े संगठनों ने मुश्किल वक्त में तेजी से काम किया है। जरूरतमंद लोगों तक भोजन,पानी,दवा और चारा पहुंचाया है। गुरुदासपुर और कपूरथला में स्वयंसेवकों ने कमर तक गहरे पानी में जाकर संकटग्रस्त लोगों को बाहर निकाला है। इतना ही नहीं, पशु चिकित्सक ग्रामीण क्षेत्रों में फंसे मवेशियों की देखभाल कर रहे हैं। वित्तीय मदद भी मिल रही है, जिसे राज्य व केंद्र सरकार द्वारा अविलंब बढ़ाए जाने की जरूरत है। इसके साथ ही गैर सरकारी संगठन, परोपकारी लोग और यहां तक कि कलाकार भी लोगों की मदद व पुनर्वास का संकल्प ले रहे हैं। एक पंजाबी सेलिब्रिटी ने 200 घरों के लिये सहायता का वायदा किया है। जो इस बात का प्रमाण है कि कैसे सांस्कृतिक हस्तियां तबाही की विभीषिका कम करने के लिये सामुदायिक समूहों के साथ आगे आ रही हैं। निस्संदेह, इस संकट की घड़ी में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, वायु सेना ने नावों, हेलीकॉप्टरों और राहत शिविरों के जरिये पीड़ितों को तात्कालिक राहत पहुंचाने का सराहनीय कार्य किया है। वे तसवीरें मानव सेवा के संकल्प को दर्शाती हैं, जिसमें ग्रामीणों ने ट्रैक्टर-ट्रालियों को जीवन रक्षक नौकाओं में तब्दील कर दिया है। प्रवासी समूहों द्वारा आर्थिक मदद भेजना भी एक सुखद पहल है। निस्संदेह, पंजाब में इस सेवा की संस्कृति और निस्वार्थ पहल की बार-बार परीक्षा भी हुई है। लेकिन जब आपदा का स्तर विकराल हो तो महज इस सद्भावना से ही संकट का निवारण संभव नहीं है। पंजाब में अब बाढ़ पीड़ितों को तेजी से मुआवजा देने, पारदर्शी ढंग से फसल की क्षति का मूल्यांकन तथा घरों के पुनर्निर्माण में तेजी लाने की जरूरत होगी। अगर सरकारी तंत्र और नागरिक समाज मिलकर अपनी ऊर्जा का उपयोग करे, तो न केवल पंजाब इस प्राकृतिक आपदा से जल्दी उबर पाएगा, बल्कि ये प्रयास एक प्रेरणादायक पहल के रूप में पूरे देश का मार्गदर्शन कर सकते हैं।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि तब प्रभु ने ऋषियों सहित (गंगाजी में) स्नान किया। ब्राह्मणों ने भाँति-भाँति के दान पाए। फिर मुनिवृन्द के साथ वे प्रसन्न होकर चले और शीघ्र ही जनकपुर के निकट पहुँच गए॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

पुर रम्यता राम जब देखी। हरषे अनुज समेत बिसेषी॥
बापीं कूप सरित सर नाना। सलिल सुधासम मनि सोपाना॥

श्री रामजी ने जब जनकपुर की शोभा देखी, तब वे छोटे भाई लक्ष्मण सहित अत्यन्त हर्षित हुए। वहाँ अनेकों बावलियाँ, कुएँ, नदी और तालाब हैं, जिनमें अमृत के समान जल है और मणियों की सीढ़ियाँ (बनी हुई) हैं॥

गुंजत मंजु मत्त रस भृंगा। कूजत कल बहुबरन बिहंगा॥
बरन बरन बिकसे बनजाता। त्रिबिध समीर सदा सुखदाता॥

मकरंद रस से मतवाले होकर भौंरे सुंदर गुंजार कर रहे हैं। रंग-बिरंगे (बहुत से) पक्षी मधुर शब्द कर रहे हैं। रंग-रंग के कमल खिले हैं। सदा (सब ऋतुओं में) सुख देने वाला शीतल, मंद, सुगंध पवन बह रहा है॥

दो0-सुमन बाटिका बाग बन बिपुल बिहंग निवास।
फूलत फलत सुपल्लवत सोहत पुर चहुँ पास॥

पुष्प वाटिका (फुलवारी), बाग और वन, जिनमें बहुत से पक्षियों का निवास है, फूलते, फलते और सुंदर पत्तों से लदे हुए नगर के चारों ओर सुशोभित हैं॥

(क्रमशः..)

एसआईआर की प्रक्रिया जारी रहने का आदेश स्वागतयोग्य

बिहार में चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया लगातार चर्चा में है। जहां एक तरफ इसे लेकर शुरू की गई कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा सोमवार को पटना में विपक्षी नेताओं की रैली के साथ समाप्त हुई, वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर नए आदेश जारी करते हुए मतदाता सूची सुधार का कार्य आगे भी जारी रहने का निर्देश जारी किये हैं, यह निर्देश स्वागतयोग्य है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह पूरा प्रकरण आखिरकार कैसा मोड़ लेगा और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव पर किस तरह का असर डालेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया कि बिहार के मतदाता 1 सितंबर के बाद भी दावा या आपत्ति कर सकेंगे। यह निर्देश बहुत जरूरी है, क्योंकि अभी भी राजनीतिक दलों की शिकायतें दूर नहीं हुई हैं। ज्यादातर आम लोगों की शिकायतों का निवारण कर दिया गया है, पर कुछ राजनीतिक पार्टियों के लिए एसआईआर की खामी एक बड़ा मुद्दा है। महागठबंधन में शामिल दल इस मुद्दे में विवाद खड़े करने में ही अपने चुनावी हित देख रहे हैं। हालांकि, न्यायालय ने उचित ही बताया है कि मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर असमंजस की स्थिति काफी हद तक 'विश्वास का मामला' है। इसका मतलब, जो राजनीतिक अविश्वास है, उसे दूर करने के लिए स्वयं दलों को सक्रिय होना पड़ेगा। न्यायालय की इस सलाह पर राजनीतिक दलों को गौर करना चाहिए और इस प्रक्रिया को सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ाना चाहिए। क्योंकि चुनाव सुधार एक सामूहिक जिम्मेदारी है। अगर सभी राजनीतिक दल यह ठान लें, तो चुनाव में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोका जा सकता है। वास्तव में, मतदाता पुनरीक्षण का काम राजनीतिक दलों को अपने स्तर पर लगातार जारी रखना चाहिए, इससे लोकतंत्र की मजबूती सुनिश्चित होगी एवं चुनाव की खामियों को सुधारा जा सकेगा।

वोटर अधिकार यात्रा के समापन के मौके पर आयोजित रैली में विपक्षी नेताओं ने जो कुछ कहा, उससे स्पष्ट है कि चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई इस प्रक्रिया के औचित्य को लेकर वे अभी आश्वस्त नहीं हैं। वैसे इस तरह की संवैधानिक प्रक्रियाओं को भी राजनीतिक रंग देना, विडम्बनापूर्ण है। इससे भी बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है विपक्षी नेताओं द्वारा कथित वोट चोरी का मुद्दा उठाते हुए चुनाव आयोग को आरोपों के दायरे में शामिल रखा जाना। ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी नेता चुनाव आयोग और सरकार को घेरते हुए यह मुद्दा बार-बार उठाते रहेंगे। विपक्षी दल इस विषय में जिस तरह की नकारात्मकता दर्शा रहे हैं, वह भी प्रश्नों के घेरों में एवं अतिश्योक्तिपूर्ण है। क्योंकि यह अत्यंत सामयिक और संवेदनशील है। बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया, एक ओर मतदाता

वोटर अधिकार यात्रा के समापन के मौके पर आयोजित रैली में विपक्षी नेताओं ने जो कुछ कहा, उससे स्पष्ट है कि चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई इस प्रक्रिया के औचित्य को लेकर वे अभी आश्वस्त नहीं हैं। वैसे इस तरह की संवैधानिक प्रक्रियाओं को भी राजनीतिक रंग देना, विडम्बनापूर्ण है।

सूची को शुद्ध एवं पारदर्शी बनाने का प्रयास है, वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव द्वारा इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए 'वोटर अधिकार यात्रा' निकालना और चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा करना, लोकतंत्र की सेहत और स्थायित्व को धुंधलाता है।

सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई का जहां तक सवाल है तो वहां भी विपक्षी दल और चुनाव आयोग एक-दूसरे पर तीखे आरोप लगाते नजर आए। जहां विपक्षी दलों के वकील इस प्रक्रिया की खामियों की ओर कोर्ट का ध्यान दिलाते रहे, वहीं चुनाव आयोग के वकील ने साफ शब्दों में कहा कि समस्या इस प्रक्रिया में नहीं, बल्कि उस मानसिक सोच में है, जो आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से ग्रस्त है। उनके मुताबिक दूसरे पक्ष की मानसिकता ही खोट निकालने की हो गई है। इसमें दो राय नहीं कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले को यथासंभव उपयुक्त ढंग से आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन यह देखना बाकी है कि चुनाव आयोग इस प्रक्रिया में सभी पक्षों का विश्वास जीतने और सभी योग्य मतदाताओं की आशंकाएं दूर करने में किस हद तक कामयाब हो पाता है।

निश्चित ही पुनरीक्षण की प्रक्रिया में अभी तक के अनुभव मिले-जुले रहे हैं। चुनाव आयोग बजाय उन्हें हटाने की मांग करते हुए आपत्तियां दर्ज करा रहे हैं। अगर चुनाव आयोग ने ज्यादा नाम काटे होते, तो नाम जोड़ने के लिए ज्यादा दावे होते। कांग्रेस को शायद अभी भी शिकायत है कि उसके एजेंटों के दावे पर गौर नहीं किया गया है। दूसरी ओर, चुनाव आयोग ने कहा है कि दावे यथोचित प्रारूप में नहीं किए गए हैं। ऐसे में, चुनाव आयोग को कुछ उदारता बरतते हुए अपनी सूची का हकीकत से मिलान करना चाहिए। बिहार में ही बड़ी पार्टियों के तमाम बूथ लेबल एजेंट (बीएलए) सक्रिय हो जाएं, तो मतदाता सूची को दोषरहित बना सकते हैं। सर्वोच्च न्यायालय की भी यही मंशा है। मतदाता सूची को लेकर विवादों में पड़े रहना हर प्रकार से अफसोसजनक होगा, इससे हमारे लोकतंत्र की गरिमा घटेगी। गौर करने की बात है कि शीर्ष अदालत के निर्देश पर सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों और पैरा लीगल स्वयंसेवकों को पुनरीक्षण में लगाया जाएगा। वास्तव में, पुनरीक्षण जल्दी संपन्न होना चाहिए, ताकि बिहार चुनाव में देरी न होने पाए।

चुनाव आयोग भारतीय लोकतंत्र की रीढ़ है। इसका दायित्व केवल चुनाव कराना नहीं, बल्कि चुनाव की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखना भी है। मतदाता सूची में गड़बड़ी, डुप्लीकेट नाम, मृत व्यक्तियों के नाम, या फर्जी पंजीकरण जैसी समस्याएं अक्सर चुनावी निष्पक्षता पर प्रश्न उठाती रही हैं। ऐसे में एसआईआर जैसी प्रक्रिया को चुनाव आयोग द्वारा लागू करना आवश्यक कदम माना जा सकता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या इस प्रक्रिया को शुरू करने से पहले पर्याप्त राजनीतिक परामर्श, जनजागरूकता और पारदर्शिता सुनिश्चित की गई थी? यदि ऐसा नहीं हुआ, तो राजनीतिक दलों का असंतोष स्वाभाविक है। इसमें कोई शक नहीं कि पुनरीक्षण के मामले ने बिहार की राजनीति को गरमा दिया है। बिहार आज निर्णायक मोड़ पर है। विशेष रूप से जन सुराज पार्टी के जो तेवर हैं, उससे बिहारी राजनीति के पूरे कलेवर पर असर पड़ सकता है। बिहार का विकासोन्मुख होना जरूरी है। इस जरूरत को बिहार में नया और पुराना विपक्ष ही नहीं, बल्कि सत्ता पक्ष भी नए सिरे से समझ रहा है। लोगों के लिए तो यही सबसे अच्छी बात होगी कि सभी राजनीतिक दल अपने मुद्दों में विकास और रोजगार, शिक्षा और चिकित्सा को सबसे ज्यादा तरजीह दें।

अब बड़ा प्रश्न है कि यदि सुप्रीम कोर्ट आयोग के पक्ष में निर्णय देती है, तो विपक्ष को अपने आंदोलन का औचित्य सिद्ध करना कठिन होगा। वहीं यदि अदालत को प्रक्रिया में खामियां मिलती हैं, तो आयोग की कार्यप्रणाली पर गहरे प्रश्न उठेंगे। विपक्ष की ओर से इसे सीधे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताना भी अतिशयोक्ति कहा जा सकता है, क्योंकि मतदाता सूची को शुद्ध करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का ही हिस्सा है। यदि ऐसे हर संवैधानिक कदम को राजनीतिक रंग देकर विवादित बना दिया जाए, तो लोकतंत्र में संस्थाओं की मजबूती के बजाय कमजोरी ही बढ़ेगी। एसआईआर जैसी पहल की केवल बिहार ही नहीं, समूचे देश में जरूरत है ताकि चुनाव प्रक्रिया भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों से मुक्त हो सके। लेकिन इसकी सफलता तभी सुनिश्चित होगी जब यह निष्पक्ष, पारदर्शी और सर्वसम्मत तरीके से लागू हो। चुनाव आयोग को न केवल अपने कदमों की संवैधानिकता, बल्कि उसकी जनस्वीकार्यता भी सुनिश्चित करनी चाहिए। विपक्ष को भी इस प्रक्रिया को मात्र राजनीतिक हथियार बनाने के बजाय रचनात्मक संवाद के जरिए समाधान तलाशना चाहिए। लोकतंत्र केवल मतदाताओं की भागीदारी से नहीं, बल्कि संस्थाओं पर विश्वास से भी जीवित रहता है। इसलिए संस्थाओं की गरिमा और पारदर्शिता दोनों की रक्षा अनिवार्य है।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

राष्ट्र निर्माण का अदृश्य शिल्पकार है अध्यापक

उत्कृष्ट शिक्षा किसी भी समाज और राष्ट्र की आत्मा होती है। यह केवल रोजगार पाने का साधन भर नहीं, बल्कि जीवन और समाज निर्माण का आधार है। विद्यालय की दीवारें बच्चों को किताबों का ज्ञान देती हैं, परंतु उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह है कि वे उनके भीतर ऐसे संस्कार और मूल्य रोपित करती हैं जिनसे भविष्य की दिशा तय होती है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा स्थान दिया गया है। संत कबीर ने कहा था, 'गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय/बलिहारी गुरु आपनो, जिन गोविंद दियो बताय।' यह पंक्ति हमें स्मरण कराती है कि शिक्षा की वास्तविक आत्मा गुरु के आचरण और चरित्र में ही निहित है। हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा के क्षेत्र में आजादी के बाद से उल्लेखनीय प्रगति की है। जहां स्वतंत्रता के समय प्रदेश की साक्षरता दर मात्र आठ प्रतिशत थी, वहीं अब यह 88 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि राज्य ने शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और हर गांव में ज्ञान की ज्योति पहुंचाई। डा. यशवंत सिंह परमार विद्यार्थी ऋण योजना, मुख्यमंत्री सुख शिक्षा योजना, राजीव गांधी मॉडल डे बोर्डिंग स्कूल और विदेशों में प्रशिक्षण जैसी सरकारी पहलें इस दिशा में नए आयाम जोड़ रही हैं। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि भवनों और योजनाओं से शिक्षा व्यवस्था की आत्मा जीवित नहीं रहती। उसकी आत्मा तो शिक्षक के व्यक्तित्व और चरित्र से प्रकट होती है। शिक्षक का दायित्व केवल पाठ्यपुस्तक का ज्ञान देने तक सीमित नहीं होता।

वह बच्चों के जीवन में अनुशासन, जिम्मेदारी और संघर्ष का साहस भी संचारित करता है। वह उनके लिए पथप्रदर्शक और आदर्श बनता है। विनोबा भावे ने कहा था कि किसी भी देश का भविष्य इस पर निर्भर करता है कि आज उसके बच्चों को दिशा देने वाले कैसे हैं। सच भी यही है कि शिक्षक ही वह शिल्पकार है, जो कच्ची मिट्टी को गढ़कर जिम्मेदार नागरिक बनाता है। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि हाल के वर्षों में कुछेक शिक्षकों की अनुचित हरकतों ने पूरे शिक्षक समुदाय की साख पर प्रश्नचिह्न लगाया है। जवाली, चौपाल और जोगिंद्रनगर में छात्राओं के साथ छेड़छाड़ की घटनाओं ने न केवल अभिभावकों को विचलित किया है, बल्कि हजारों आदर्श अध्यापकों की मेहनत को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों के दौर में हर घटना तुरंत उजागर होती है और उसका प्रभाव व्यापक होता है। यह सच है कि गुलाब के साथ कांटे भी होते हैं, लेकिन शिक्षक का नैतिक पतन केवल उसकी व्यक्तिगत विफलता नहीं है, बल्कि

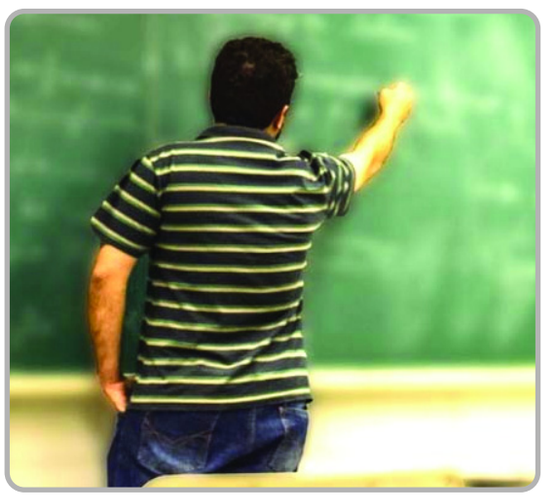

यह पूरे समाज और आने वाली पीढ़ियों के लिए गंभीर खतरा है। अल्फ्रेड एडलर ने कहा था, 'बुद्धिमानों की प्रशंसा होती है, धनवानों से ईर्ष्या की जाती है, बलवानों से डरा जाता है, लेकिन विश्वास केवल चरित्रवान व्यक्तियों पर ही किया जाता है।' शिक्षक पर यह विश्वास तभी कायम रह सकता है जब वह स्वयं आदर्श आचरण प्रस्तुत करे। परिवार की बदलती संरचना ने भी शिक्षा को नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर दिया है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के प्रसार ने बच्चों को बुजुर्गों से मिलने वाले संस्कारों से दूर कर दिया है। अब बच्चे मोबाइल और इंटरनेट की चकाचौंध में अधिक समय बिताते हैं और दिशा-भ्रमित हो जाते हैं। ऐसे समय में शिक्षक ही वह आधार है जो उन्हें सही राह दिखा सकता है। यदि वह स्वयं सुसंस्कृत और चरित्रवान है तो उसके शिष्य जीवन की कठिनाइयों से जूझने का साहस पाएंगे और जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। आज की शिक्षा प्रणाली भी अनेक चुनौतियों से जूझ रही है। भारी-भरकम पाठ्यक्रम ने पढ़ाई को बोझ बना दिया है। खेलकूद, संगीत और वाद-विवाद जैसी गतिविधियां औपचारिकता भर रह गई हैं। शिक्षकों पर पढ़ाई से इतर प्रशासनिक कार्यों का दबाव बढ़ा है। संस्कृत साहित्य में कहा गया है, 'वृत्तं यत्नेन संरक्षेत् वित्तमेति च याति च, अक्षीणो वित्ततः क्षीणो वृत्ततस्तु हतो हतः।' इसका स्पष्ट अर्थ है कि धन तो आता-जाता रहता है, परंतु चरित्र नष्ट हो जाने पर सब कुछ समाप्त हो जाता है। यही कारण है कि शिक्षक के चरित्र पर समाज की नींव टिकी होती है। यह समय का तकाजा है कि हम शिक्षा को केवल रोजगार की सीढ़ी न मानें। हमें इसे मानव निर्माण और समाज निर्माण का माध्यम बनाना होगा। इसके लिए शिक्षकों के प्रशिक्षण को और सशक्त बनाना होगा, नैतिक शिक्षा को पाठ्यक्रम का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा और समाज व सरकार दोनों को मिलकर शिक्षक समुदाय को वास्तविक सम्मान और संसाधन प्रदान करने होंगे।

साथ ही अभिभावकों और विद्यार्थियों को यह समझना होगा कि शिक्षक का सम्मान करना उतना ही आवश्यक है, जितना परिवार के बुजुर्गों का। शिक्षण केवल एक पेशा नहीं, बल्कि पवित्र साधना है। यह साधना निभाने वाला वही व्यक्ति वंदन का अधिकारी है, जो अपने चरित्र और आचरण से प्रेरणा देता है। हिमाचल की पहाड़ियों में जब बच्चे कठिन रास्ते तय कर विद्यालय पहुंचते हैं, तो उनका पहला पथप्रदर्शक उनका शिक्षक ही होता है। यदि वह चरित्रवान है, तो उसके शिष्य समाज का गौरव बनेंगे। हर साल जब हम शिक्षक दिवस पर अपने गुरुओं को याद करते हैं, तो यह अवसर केवल औपचारिकता न बनकर आत्ममंथन का क्षण होना चाहिए। हमें यह संकल्प लेना होगा कि समाज में वही शिक्षक आदरणीय माना जाए, जो अपने आचरण से विद्यार्थियों के लिए आदर्श प्रस्तुत करे। निस्संदेह, शिक्षा व्यवस्था की आत्मा वही है जो अपने शिष्यों को केवल किताबें नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाए और इसी सत्य को ध्यान में रखते हुए कहा जा सकता है कि चरित्रवान शिक्षक ही वंदन के अधिकारी हैं। शिक्षकों का सम्मान काफी हद तक उनके कर्त्तव्य पालन पर निर्भर करता है।

-अनुज आचार्य

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष त्रयोदशी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। पिता का साथ होगा। राजनीतिक लाभ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान भी अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
बच कर पार करें। चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। कोई रिस्क मत लीजिएगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। प्रेमी प्रेमिका की मुलाकात संभव है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा लेकिन डिस्टरबेंस बना रहेगा। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित दिख रहा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भावुकता में आकर कोई निर्णय न लें। अभी महत्वपूर्ण निर्णय रोक कर रखें। प्रेम में तू तू मैं मैं का संकेत है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
गृह कलह के संकेत हैं। लेकिन भूमि भवन वाहन की खरीदारी या भौतिक सुख सुविधा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। व्यावसायिक सफलता मिलेगी स्वास्थ्य अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
जुआ, सट्टा लॉटरी में पैसे ना लगाएं। रिस्क है। जुबान पर काबू रखें। कुटुंबों में थोड़ी सी बात को लेकर के अपनों में हलचल हो सकती है

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
मन चिंतित रहेगा। डर का माहौल रहेगा। किसी बात को लेकर के चिंतित रहेंगे। चिंताकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
खर्च की अधिकता रहेगी। मानसिक चिंता बनी रहेगी। सिर दर्द, नेत्र पीड़ा संभव है। प्रेम, संतान अच्छा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे आएंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

खेत न खलिहान, हर तरफ पानी-पानी

एनडीआरएफ और पुलिस ने 35 लोगों को किया रेस्क्यू

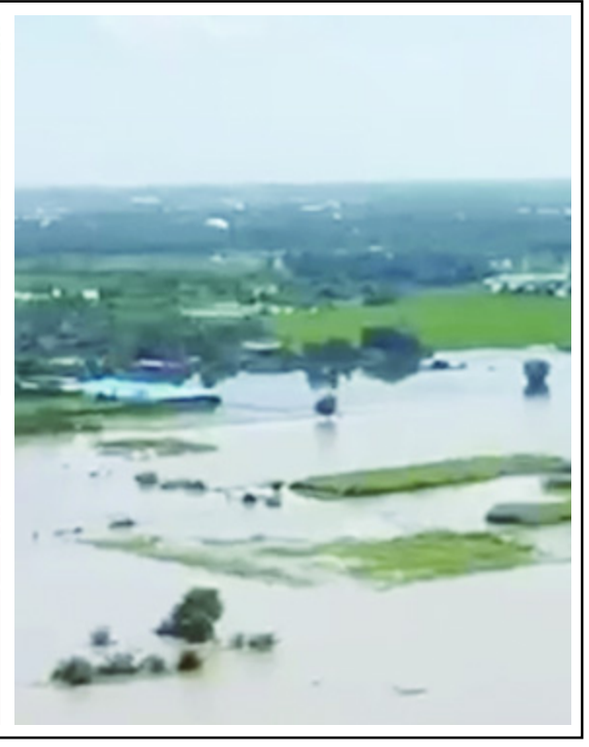

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में यमुना नदी उफान पर है। जनपद में पूरा डूब क्षेत्र जलमग्न हो गया। सेक्टर-151 और 150 के अलावा अन्य जगह फार्म हाउस डूब गए हैं। जिले के 14 से अधिक गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। यमुना नदी के बढ़ते जल स्तर के कारण जेवर, रबूपुरा और दनकौर के गांवों में बाढ़ का खतरा बढ़ता जा रहा है। ऐसे में थाना दनकौर व नॉलेज पार्क क्षेत्र से लगे सीमावर्ती राज्य के बाढ़ग्रस्त इलाकों में फंसे 35 लोगों का रेस्क्यू करते हुए उन्हे सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया गया है। नोएडा में हाईराइज सोसायटियों से देखने पर दूर तक न तो खेत दिख रहे हैं और न खलिहान। हर तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा है।

बाढ़ के खतरे को बढ़ता देख जिला प्रशासन व पुलिस मुस्तैदी से काम कर रही है। थाना दनकौर व थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने एनडीआरएफ के सहयोग से सीमावर्ती राज्य के बाढ़ग्रस्त इलाकों में फंसे 35 लोगों का रेस्क्यू करते हुए उन्हे सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया। यमुना नदी का जल स्तर बढ़ने के कारण पुलिस विभाग द्वारा अन्य सम्बन्धित विभागों से समन्वय स्थापित कर यमुना नदी के बढ़ते जल स्तर से प्रभावित क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों को लगातार उनके जरूरी सामान, पशुधन, गौशालाओं को सुरक्षित स्थान ले जाया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त पुलिस के सभी आलाधिकारी स्वयं यमुना नदी के आस-पास के क्षेत्रों का दौरा कर रहे है रहा हैं तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ मिलकर स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। लोगो को लगातार समझाया जा रहा है कि वह यमुना नदी के डूब क्षेत्र अथवा उसके आस-पास के इलाकों में अनावश्यक रूप से न जाएं और प्रशासन द्वारा जारी चेतावनियों, निर्देशों का अनुपालन कर स्वयं एवं अपने परिजनों को सुरक्षित रखें।

बालक इंटर कॉलेज में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित गौतमबुद्ध बालक इंटर कॉलेज ग्रेटर नोएडा में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में बृहस्पतिवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विद्यालय में छात्रों ने कविता, नृत्य, गायन आदि प्रस्तुति देकर शिक्षक दिवस को मनाया और अपने शिक्षकों के प्रति आदर-सम्मान व्यक्त किया। कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ राजीव कुमार और शिक्षकों को पुष्प गुच्छ एवं कार्ड देकर सम्मानित किया।

कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ राजीव कुमार छात्रों को बताया कि डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन सभी शिक्षण संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। शुक्रवार को अवकाश के चलते यह कार्यक्रम बृहस्पतिवार को आयोजित किये गये।

रोड किनारे कूड़ा डालने पर दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, एक लाख का जुर्माना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग की क्यूआरटी टीम ने राइज पुलिस चौकी के पास सर्विस रोड पर वेस्ट डालते हुए एक ट्रैक्टर-ट्राली को पकड़ लिया। उसे जब्त करते हुए 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

जलपुरा के पास क्यूआरटी ने जलपुरा के पास अवैध कूड़ा गिराते हुए एक और ट्रैक्टर ट्राली पकड़ा तथा उसको भी जब्त कर लिया गया और 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। कुल दो ट्रैक्टर ट्राली पकड़ा गया तथा दोनों को मिलाकर एक लाख रुपया जुर्माना लगाया गया। ट्रैक्टर -ट्राली के मालिकों द्वारा भुगतान किए जाने पर ही छोड़ा जाएगा।

प्राधिकरण के महाप्रबंधक स्वास्थ्य आर.के. भारती ने कहा है कि कोई भी इधर-उधर कूड़ा डालते हुए पकड़ा गया तो उस पर तगड़ा जुर्माना लगाया जाएगा। किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

संबंध बिच्छेद

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी वीरपाल पुत्र श्री हरचन्द निवासी दोस्तपुर मंगरोली बांगर, सैक्टर-167 नोएडा, थाना एक्सप्रेसवे जिला गौतमबुद्धनगर का निवासी हैं, प्रार्थी का बडा पुत्र रवि जिसका व्यवहार व रंग-ढंग ठीक नही हैं और आये दिन परिवार के साथ दुर्व्यवहार करता है। जिससे प्रार्थी व प्रार्थी के परिवार की समाज में काफी बदनामी हो रही हैं। प्रार्थी ने अपने पुत्र रवि शर्मा को कई बार समझाने का प्रयत्न किया, लेकिन प्रार्थी का पुत्र रवि शर्मा प्रार्थी की कोई बात मानने को तैयार नही हैं तथा बाहरी लोगों के कहने पर चलता हैं। प्रार्थी अपने पुत्र रवि शर्मा की हरकतों से तंग आकर संबंध बिच्छेद कर अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हैं। प्रार्थी का पुत्र रवि शर्मा किसी भी प्रकार का गलत कार्य करता है या उसके किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

13 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। न्यायालय, सूरजपुर, गौतमबुद्धनगर में दिनांक 13 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा जिसमे विशेषत: एमवी एक्ट के ई-चालान, आपराधिक शमनीय वाद, पारिवारिक मामले, मोटरयान दुर्घटना अधिनियम के मामले, बिजली व जल के बिल से संबंधित शमनीय दंड वाद, चेक बाउंस से संबंधित धारा 138 एनआई एक्ट/बैंक रिकवरी के वाद, राजस्व वाद, भूमि अध्यापि वाद, सेवा संबंधित मामले एवं प्री लिटिगेशन मामलों के साथ-साथ सुलह समझौतों के माध्यम से निस्तारण योग्य अन्य विवाद जिनमे पक्षकार पारस्परिक सद्भावना के अधीन संधि के लिए इच्छुक हो, त्वरित निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से किया जाएगा। सभी नागरिकों से अपील है कि वो उक्त सभी मामलों से संबंधित किसी भी वाद के त्वरित निस्तारण के लिए लोक अदालत में अवश्य पहुंचे।

शिक्षक संघ ने लिखा डीएम को पत्र

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। परिषदीय शिक्षकों का वेतन प्रतिमाह एक तारिख को आ जाता है, किंतु अत्यंत खेद का विषय है कि गौतम बुद्ध नगर के शिक्षकों का अगस्त माह का वेतन, जो 1 सितंबर को प्राप्त होना चाहिए था, अब तक नहीं आया है। इस देरी के कारण शिक्षकों को विभिन्न बैंक ऋणों, गृह/वाहन की किस्तों तथा अन्य आवश्यक दायित्वों को निभाने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, गौतम बुद्ध नगर ने इस विषय में जिलाधिकारी को पत्र प्रेषित कर निवेदन किया है कि शीघ्र ही शिक्षकों का वेतन जारी कराया जाए, ताकि उन्हें अनावश्यक मानसिक व आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े। अन्यथा की स्थिति में शिक्षकों को धरने पर बैठना पड़ेगा।

पृष्ठ एक के शेष....

मथुरा-वृंदावन के...

इन्हीं क्षेत्रों के कुछ गांव ऐसे भी हैं, जहां शुक्रवार और शनिवार की रात को पानी घुसने की आशंका जताई जा रही है।

मथुरा-वृंदावन यमुना खादर का भी यही हाल है। दर्जनों कॉलोनियां जलमग्न हो चुकी हैं, तो कई कॉलोनियों में धीरे-धीरे पानी घुस रहा है।

बारावफ़ात जुलूस को...

ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सभी पुलिसकर्मियों को सतर्क दृष्टि बनाए रखते हुए अनुशासन एवं संवेदनशीलता के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करने के लिए निर्देशित किया गया। उनके द्वारा आमजन को आश्वस्त किया कि कानून-व्यवस्था की सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस सदैव तत्पर है।

एक्वा लाइन विस्तार...

गार्डन और डिपो स्टेशन से बोडाकी तक विस्तार कॉरिडोर के डिज़ाइन कार्य शामिल हैं। इसके साथ ही मौजूदा डिपो और रिसीविंग सब-स्टेशन (आरएसएस) से संबंधित कार्यों का भी प्रावधान है।

डीडीसी का चयन परियोजना के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके अंतर्गत सिविल, आर्किटेक्चरल व इलेक्ट्रिकल-मैकेनिकल कार्यों सहित ट्रैक्शन कार्यों के डिज़ाइन तैयार किए जाएंगे। साथ ही यह अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा व गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करेगा और परियोजना को समय पर तथा लागत प्रभावी ढंग से पूरा कराने में सहयोग देगा।

बैठक के दौरान एजेंसियों द्वारा उठाए गए सभी प्रश्नों का समाधान किया गया। इस टेंडर की तकनीकी बोली सितंबर माह के भीतर खोली जाएगी।

'कथा एक कंस की'....

नाटककार पदमश्री डीपी सिन्हा हैं। नाटक का मंचन सेक्टर-62 स्थित कल्याण सिंह ऑडिटोरियम, एनआईओएस में सायं 6.30 बजे होगा। इस नाटक में कंस के चरित्र के विभिन्न आयामों को विभिन्न पात्रों के माध्यम से दर्शाया गया है। लेखक ने यह दर्शाने का प्रयास किया है कि सामान्य व्यक्ति दया, प्रेम, मित्रता आदर का भाव लेकर समाज में बढ़ता है और अनेक सामाजिक दायित्वों के आते-आते राज कुल का अहंकार, अपनी शक्तियों की निरंकुशता का भाव और विश्व के रहने तक अमरत्व के भाव व्यक्ति को निर्दयता और अमानवीय प्रवृत्तियों की ओर अग्रसर कर देता है। ऐसी निरंकुश शक्तियों के होने से व्यक्ति स्वयं को भगवान मान लेता है और इस प्रकार इस नाटक में कंस स्वयं को भगवान कंस के रूप में प्रचारित करवाता है। कंस के नाम के भजन और पूजन प्रचार की भरपूर अभिव्यक्ति दर्शाई गई है। नाटक में हिरण्यकश्यपु की कथा को बहुत सुंदर, प्रभावशाली अभिव्यक्ति दी गई है। जिसमें हिरण्यकश्यपु के नरसिंहावतार द्वारा अंत को देख कर कंस भयभीत होता है। देवकी के आठवें पुत्र का वध सुनिश्चित करने के लिए कंस की प्रेयसी स्वाति का पूतना बन प्राण देने का प्रसंग अत्यंत प्रभावशाली प्रस्तुति बना। नाटक में बहुत प्रभावशाली अभिव्यक्ति से कंस में अनेक भाव उत्पन्न होते दर्शाये जाते हैं। एक साधारण व्यक्ति से एक क्रूर राजा बनने तक के सफ़र में केवल कंस नहीं बल्कि उनके इस सफ़र में कैसे उनके आस पास के अनके व्यक्ति भी जीवन के संघर्ष से जूझते हैं। नाटक का मंचन प्रवीण भारती के निर्देशन में हो रहा है।

तीन बड़े बिल्डरों...

के लिए कहा गया। 31अगस्त 2025 तक बिल्डर पर कुल 162.27 करोड़ रुपए बकाया हो गया। वसूली के लिए गुरुवार को डीएम गौतम बुद्ध नगर को पत्र भेजा गया।

ग्रुप हाउसिंग भूखंड संख्या जीएच-1 सेक्टर-120 प्रतीक रियल्टर्स प्राालि का 10 दिसंबर 2009 को आंवटन किया गया। 7 जनवरी 2010 को लीज डीड की करते हुए जमीन का आवंटन किया गया। आवंटी को बकाया जमा करने के लिए नोटिस जारी किए गए। शासनादेश के तहत कोविड-19 का लाभ दिया गया। साथ ही कुल बकाया का 25 प्रतिशत पैसा जमा करने के लिए कहा गया। ये पैसा भी जमा नहीं किया गया। इस पर कुल 74.18 करोड़ का बकाया है।

ग्रीन बेल्ट, सेंट्रल वर्ज...

सराहना एवं प्रशांसा की गई है एवं आगामी समय में सभी को मौसमी फूलों व अलंकृत पेड पौधों से साज सज्जा कराये जाने के निर्देश दिए। रोड साइड ग्रीन बेल्ट में जन सामान्य के लिए आर्कषक वॉकिंग ट्रैक, बैंचेस आदि रखे जाने के निर्देश दिए। कुछ संस्थाओं द्वारा गोद लेने के बाद दिये गये क्षेत्र में काफी समय बीत जाने पर भी अपने क्षेत्र में खास कार्य नहीं कराये जाने के संबंध में एक महीने के अंदर कार्य कराये जाने के लिए नोटिस दिए जाने के निर्देश दिए गए।

उत्तर रेलवे
ई-निविदा (ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

एनआईटी		80,81,82,83,84,85,87,88-2025-26-WIV
	क्रमांक	
काम का नाम (स्थान के साथ)	80	एसएसई/पी.वे/जींद खंड में मुख्य लाइन के ट्रैक के रखरखाव के लिए एक वर्ष की अवधि के लिए वार्षिक जोन। **कार्य की समान प्रकृति:** किसी भी प्रकार का ट्रैक कार्य।
	81	एसएसई/पी.वे/जाखल खंड में मुख्य लाइन के ट्रैक के रखरखाव के लिए एक वर्ष की अवधि के लिए वार्षिक जोन। **कार्य की समान प्रकृति:** किसी भी प्रकार का ट्रैक कार्य।
	82	एक वर्ष की अवधि के लिए एसएसई/पी.वे/एमएसजेड के खंड में मुख्य लाइन के ट्रैक के रखरखाव के लिए वार्षिक क्षेत्र **कार्य की समान प्रकृति:** किसी भी प्रकार का ट्रैक कार्य।
	83	एसएसई/पी.वे/बीजीजेड के खंड में ट्रैक के दिन-प्रतिदिन रखरखाव के लिए वार्षिक क्षेत्र एक वर्ष की अवधि के लिए 30.06.2026 **कार्य की समान प्रकृति:** किसी भी प्रकार का ट्रैक कार्य।
	84	एक वर्ष की अवधि के लिए ट्रैक अबो-आरई खंड के दिन-प्रतिदिन रखरखाव के लिए वार्षिक क्षेत्र 30.06.2026 **कार्य की समान प्रकृति:** किसी भी प्रकार का ट्रैक कार्य।
	85	एसएसई/पी.वे/आरओके अनुभाग में ट्रैक के दिन-प्रतिदिन रखरखाव के लिए वार्षिक क्षेत्र एक वर्ष की अवधि के लिए 30.06.2026 के लिए। **कार्य की समान प्रकृति:** किसी भी प्रकार का ट्रैक कार्य।
	87	एक वर्ष की अवधि के लिए जेएचआई-एसएनपी खंड के ट्रैक के दिन-प्रतिदिन रखरखाव के लिए वार्षिक क्षेत्र 30.06.2026 **कार्य की समान प्रकृति:** किसी भी प्रकार का ट्रैक कार्य।
	88	एक वर्ष की अवधि 30.06.2026 के लिए ट्रैक आरओके-पीएनपी खंड के दिन-प्रतिदिन रखरखाव के लिए वार्षिक क्षेत्र। **कार्य की समान प्रकृति:** किसी भी प्रकार का ट्रैक कार्य।
काम की अनुमानित लागत रुपये	80	रुपये 11999824.24
	81	रुपये 8999592.77
	82	रुपये 9000006.42
	83	रुपये 12000031.82
	84	रुपये 7000004.49
	85	रुपये 12000086.46
	87	रुपये 7500069.15
	88	रुपये 6999989.63
अग्रिम राशि (रुपये)	(यह नेट बैंकिंग के रूप में होना चाहिए या केवल भुगतान गेटवे द्वारा 1) (नोट:- रेलवे बोर्डो के पत्र संख्या 2015/सीई-आई/सीटी/5/1 दिनांक 31.08.2016 के अनुसार जो टेंडर आईआरईपीएस पर आमंत्रित किया गया है उसमें एफडीआर को निविदा के लिए ईएमडी के रूप में, स्वीकार नही किया जाएगा।	
	80	रुपये 210000.00
	81	रुपये 180000.00
	82	रुपये 180000.00
	83	रुपये 210000.00
	84	रुपये 140000.00
	85	रुपये 210000.00
	87	रुपये 150000.00
	88	रुपये 140000.00
काम की समाप्ति अवधि	80	09 महीने
	81	09 महीने
	82	09 महीने
	83	09 महीने
	84	09 महीने
	85	09 महीने
	87	09 महीने
	88	09 महीने
निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए दिनांक और समय		03.10.2025 को 15.00 बजे तक तथा 03.10.2025 को 15.00 बजे निविदा खुलना है
वेबसाइट के विवरण का नोटिस बोर्ड स्थान निविदा का पूरा		यह निविदा आईआरईपीएस वेबसाइट अर्थात www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

No. 128-W/280/OET/2025-26/W-IV/NIT-80,81,82,83,84,85,87,88-W-IV
Date : 04.09.2025
2697/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा ने बाढ़ प्रभावित दर्जनों गांवों का दौरा किया। इस संबंध में संगठन के राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण नागर ने कहा कि आज क्षेत्र के दर्जनों गांवों का दौरा किया है जिनमें जगनपुर, अट्टा गुजरान, नौरगपुर, मुरसदपुर, मड़ैया, घरबरा, अट्टा फतेहपुर सहित दर्जनों गांवों की करीब हज़ारों बीघा धान, ज्वार, बाजरा आदि की फसल नष्ट हो गई है। किसानों के सामने रोज़ी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है।

किसानों ने फसल के नुकसान की भरपाई के लिए जिला प्रशासन एवं प्रदेश सरकार से मुआवज़ा की गुहार लगाई है। संगठन के कार्यकर्ता बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद कर रहे हैं और लोगों से बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में न जाने की अपील की है। जिला प्रशासन भी बचाव कार्य में जुटा हुआ है।

करन कौशिक ने दादरी का नाम रोशन किया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी आदर्श नगर निवासी करन कौशिक ने फिर एक बार अपने क्षेत्र से निकलकर चंडीगढ़ पंजाब में अपने नाम का परचम लहराया है।

करन शर्मा ने दिन रात मेहनत करके अपनी विश्वविख्यात भजन सम्राट कन्हैया मित्तल केवन पर एक और पुस्तक लिख डाली 'संघर्ष ही सफलता की राह' जोकि हाल ही में ग्रेटर नोएडा के द वेडिंग टाऊन में आयोजित भव्य भजन संध्या में भजन सम्राट कन्हैया मित्तल खुद उन्हें मंच पर बुलाकर सम्मान दिया जोकि दादरी में एक चर्चा का विषय बना हुआ है। बहुत जल्दी इस पुस्तक को जन जन तक पहुंचाया जाएगा जिसमे मित्तल के संपूर्णवन की जानकारी है जो समाज को एक प्रेरणा देने में अहम भूमिका प्रदान करेगी। इस पुस्तक को लिखने में 5 माह से अधिक का समय लगा। करन शर्मा ने बताया उन्होंने अपनी पूरी पढ़ाई डिसेंट पब्लिक स्कूल से पूर्ण की और अपनी निजी नौकरी के साथ साथ इस पुस्तक को लिखा वह एक आईटी कंपनी के कार्यरत है इस पुस्तक को लिखने के लिए उन्होंने रात्रि के समय का उपयोग किया। यह पुस्तक उन्होंने समाज से प्रेरणा लेकर लिखी उनका परिवार शिक्षा के छेत्र में लंबे समय से जुड़ा हुआ है।

रोटरी क्लब ने बाढ़ प्रभावित लोगों को वितरित की खाद्य सामग्री व दवाइयाँ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। देशभर में इस समय अधिक वर्षा के कारण कई क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति बन गई है, जिससे लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। इसी क्रम में गौतमबुद्धनगर में भी हजारों लोग अपने घरों से बेघर हो गए हैं और उन्हें प्रशासन द्वारा सेक्टर 135, 159 एवं अन्य जगहों पर सुरक्षित ठहराया गया है।

रोटरी क्लब के सदस्यों ने बाढ़ प्रभावित लोगों तक मदद पहुँचाने के लिए वहाँ जाकर केले, बिस्किट, भोजन और दवाईयां वितरित की। इस कार्य में क्लब के सदस्य मनीष बंसल, महेश शर्मा, मोहित बंसल, मनु जिंदल, आदित्य सचदेवा, अभिषेक गोयल, मुकुल गोयल, शुभम सिंघल, चेतन शर्मा, सुमित गर्ग, तरंग तायल, शुभम गोयल आदि ने सक्रिय भागीदारी निभाई। क्लब सदस्य चेतन शर्मा ने बताया कि इस आपदा के समय लोगों की मदद करना हमारा कर्तव्य है और हम ऐसे कार्य लगातार करते रहेंगे।

बीकेयू (अराजनीतिक) मंच का प्रतिनिधिमंडल प्राधिकरण अफसरों से मिला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक मंच) का एक प्रतिनिधि मंडल किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी रामनारायण सिंह से मिला। बैठक का नेतृत्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरीवन सिंह और राष्ट्रीय सचिव प्रकाश प्रधान ने किया।

प्रतिनिधिमंडल ने प्राधिकरण के समक्ष किसानों से जुड़ी अहम समस्याओं को उठाते हुए 10 फीसदी प्लॉट आवंटन, लीज बैक, नौजवानों के लिए रोजगार और सभी गांवों के समग्र विकास जैसी प्रमुख मांगों पर ज़ोर दिया।

बैठक में राष्ट्रीय प्रवक्ता दिनेश शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष रणवीर अवाना, एनसीआर अध्यक्ष विभोर शर्मा सहित कई पदाधिकारी और किसान शामिल रहे। इनमें प्रमुख रूप से रामबीर अवाना, रणजीत शर्मा, महकेश भाटी, सुबिन भाटी, जयचंद भाटी, विजय कुमार, अजय कुमार चपरगढ़ सहित आसपास के कई गांवों के किसान मौजूद रहे।

किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। वहीं, प्राधिकरण के अधिकारियों ने किसानों को समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

पी.आई.आई.टी. कॉलेज में ओरियंटेशन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पी.आई.आई.टी. कॉलेज में सत्र 2025-26 में नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए एक भव्य ओरियंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई।

संस्थान के चेयरमैन प्रोफेसर डॉ. भरत सिंह ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छा देकर हार्दिक अभिनंदन और स्वागत किया। मंच की अध्यक्षता कुंवर हमबीर सिंह, चीफ इंजीनियर ने की और मंच का सफल संचालन प्रो बी. एस. रावत ने किया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में बी. एल. सिंह, पूर्व मुख्य आयुक्त आयकर विभाग, भारत सरकार, आर. सी. वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक और सी. पी. सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी उपस्थित रहे। बी. एल. सिंह ने अपने संबोधन में नव प्रवेशित विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए मेहनत और समर्पण की प्रेरणा दी।

संस्थान के चेयरमैन प्रो. डॉ. भरत सिंह ने विद्यार्थियों को शैक्षिक, संस्कारवान और नैतिक आचरण अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संस्थान के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। साथ ही, पूर्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मैडम मिथिलेश और मैडम जागेश द्वारा सरस्वती वंदना भी प्रस्तुत की गई। अंत में संस्थान के निदेशक प्रो. आर.के. शाक्य ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर आर. के. राजपूत, डॉ. अजय पाल यादव, बी.पी. सिंह, राजरानी सिंह सहित संस्थान के सभी प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भाकियू (अराजनीतिक मंच) संगठन का हुआ विस्तार

ग्रेटर नोएडा(चेतना मंच)। भाकियू (अराजनीतिक मंच) ने संगठन विस्तार की कड़ी मे जेवर के नीमका खाजपुर में किया। इस मौके पर विकास शर्मा को युवा जिला अध्यक्ष गौतमबुद्ध नगर की जिम्मेदारी सौपी गई।

इस दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी जीवन सिंह,राष्ट्रीय प्रवक्ता दिनेश शर्मा,राष्ट्रीय सचिव प्रकाश प्रधान,प्रदेश उपाध्यक्ष रणवीर अवाना,एनसीआर अध्यक्ष विभोर शर्मा, परवीन शर्मा, विजेंद्र सिंह चौहान, संजय शर्मा झट्टा, रामवीर अवाना, जयचंद भाटी, बलजीत भाटी, सुबिन भाटी, विजय कुमार, अजय कुमार चपरगढ़ आदि सैकड़ो लोग रहे मौजूद।

बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल गत दिवस लोनी जाते समय परी चौक पर बसपा के पूर्व मंत्री अजीत पाल ने अपने समर्थकों के साथ भव्य स्वागत किया।

शारदा विश्वविद्यालय में डब्बावाला मैनेजमेंट लेक्चर का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज में गुरुवार को बीबीए और एमबीए के छात्रों के लिए डब्बावाला मैनेजमेंट लेक्चर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सुबोध सांगले और उल्लास भाऊ ने छात्रों को मुंबई डब्बावाला सिस्टम की कार्यपद्धति और प्रबंधन से जुड़ी कई रोचक बातें बताईं। इस कार्यक्रम में करीब 1500 छात्र शामिल हुए।

कार्यक्रम में एचआर क्लब का भी शुभारंभ हुआ। सुबोध सांगले ने बताया कि 1890 में 40 टिफिन से शुरू हुआ डब्बावाला सिस्टम अब हर रोज़ लगभग 2 लाख टिफिन वितरित करता है। उन्होंने छात्रों को बताया कि सफलता का मूल मंत्र अनुशासन, ईमानदारी और मेहनत है। उन्होंने यह भी बताया कि कोडिंग सिस्टम से पूरी प्रक्रिया संचालित होती है और ग्राहक राजा होते हैं।

डब्बावाला रोज़ाना 60-70 किलोमीटर की दूरी तय कर भोजन को घर से कार्यालय तक पहुंचाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अब तक डब्बावालाओं ने कभी हड़ताल नहीं की।

संस्थान के प्रो. चांसलर वाइके गुप्ता ने कहा कि डब्बावाला सिस्टम की 135 साल की सफलता का रहस्य मेहनत, लगन और ईमानदारी है। देश-विदेश की टॉप यूनिवर्सिटी इनके सिस्टम पर केस स्टडी कर चुकी हैं।

इस अवसर पर प्रो. वाइस चांसलर परमानंद, डॉ. राजीव गुप्ता, डॉ. देबाशीष मलिक, डॉ. निखिल कुलश्रेष्ठ, डॉ. रचना बंसल, डॉ. रुचि जैन, डॉ. श्वेता दीक्षित समेत सभी एचओडी उपस्थित रहे।

साफ-सफाई को लेकर जागरूकता अभियान चलाया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, स्वास्थ्य विभाग एवं आरडब्ल्यूए की टीम द्वारा सेक्टर बीटा-1 में साफ-सफाई को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया और सेक्टर वासियों से अपील की गई कि अपने घर का कूड़ा गाड़ी में डालें, इधर-उधर ना फेंके, जिससे आसपास सफाई व्यवस्था बनी रहे। टीम में सहायक प्रबंधक गौरव बघेल, सैनेटरी इंस्पेक्टर राकेश पाल एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम, आरडब्ल्यूए से अध्यक्ष संगीता शर्मा, महासचिव हरेन्द्र भाटी, उपाध्यक्ष राजबीर सिंह, सचिव ओम प्रकाश शर्मा, अनवर हुशेन, विनय गुप्ता, विधा उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ करेगा शिक्षक दिवस का बहिष्कार

ग्रेटर नोएडा। मेघराज भाटी मंडल अध्यक्ष ने बताया कि आज सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिये गये आदेश से देश भर में 10 लाख से अधिक सरकारी शिक्षकों की नौकरी पर संकट मँडरा गया है। यदि आदेश को निजी स्कूलों पर लागू किया गया तो इससे प्रभावित शिक्षकों की सम्भावित संख्या करोड़ में होगी ।इसके निर्णय के शिक्षक दु:खी एवं चिन्तित हैं ।

प्रवीण शर्मा जिला अध्यक्ष ने बताया कि सदैव की भाँति कल 5 सितम्बर को देश एवं सभी प्रदेश की सरकारें मंच सजाकर चंद शिक्षकों को चंद लम्हों का सम्मान देंगी। उनमें कुछ ऐसे शिक्षक भी होंगे जिन्हें भारत सरकार द्वारा टीइटी को लेकर बनाये गये कानून के कारण दो साल बाद सेवा से निकालने की चिंता सता रही होगी। क्या ऐसे विषम परिस्थिति में मिलने वाले उस सम्मान को शिक्षक मन से स्वीकार करेगा ।भारत सरकार द्वारा टीइटी को लेकर बनाये गये कानून के क्रम में मा सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गये निर्णय से देश भर के दस लाख से अधिक सरकारी शिक्षकों के सामने दो वर्ष बाद सेवा से बाहर किए जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। गजन भाटी जिला मंत्री ने कहा कि इसलिए हम प्रधानमंत्री एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री से अनुरोध करते हैं कि शिक्षकों के साथ न्याय करने की घोषणा करने की कृपा करें। आपकी घोषणा ही शिक्षकों के लिए वास्तविक सम्मान होगा।

शारदा केयर, हेल्थ सिटी और शारदा अस्पताल में नेशनल न्यूट्रिशन वीक का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नॉलेज पार्क स्थित शारदा केयर, हेल्थ सिटी और शारदा अस्पताल में नेशनल न्यूट्रिशन वीक मनाया जा रहा है। इस बार की थीम बेहतरवन के लिए सही खाएं है। पूरे सप्ताह का उद्देश्य लोगों को संतुलित आहार की अहमियत समझाना और बचपन से ही पोषण की कमी को रोकना है।

इस अवसर पर लोगों को संतुलित आहार, सही खानपान की आदतें अपनाने, कुपोषण रोकने औरवनशैली संबंधी बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम में डॉक्टरों के साथ बातचीत आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने पोषण और सहीवनशैली पर अपने विचार साझा किए।

इस दौरान पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक और जुबान का फैसला जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। शारदा केयर, हेल्थ सिटी और अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. राममूर्ति शर्मा ने कहा कि आजकल बच्चे या तो बहुत कमजोर हो रहे हैं या मोटापे का शिकार। इसका कारण है कि वे ज्यादातर जंक फूड और बाहर का खाना पसंद करते हैं। उन्होंने पारंपरिक खाने जैसे दाल, चावल, सब्जी और रोटी में सभी जरूरी पोषक तत्व मौजूद होने की बात कही और कहा कि साथ में मौसमी फल और सलाद भी शामिल किए जाएं।

शारदा अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव कुमार थापर ने बताया कि संतुलित आहार स्वस्थ शरीर और मस्तिष्क के लिए अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि शिशु अवस्था से लेकर किशोरावस्था, गर्भावस्था और वृद्धावस्था तक सभी के लिए संतुलित पोषण जरूरी है। सही आहार लेने से डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और कैंसर जैसी बीमारियों से भी बचाव किया जा सकता है। इस दौरान डॉ. श्वेता जायसवाल, डॉ. वर्षा शर्मा, डॉ. शिवानी राठी और हरेंद्र दुबे उपस्थित रहे।

भारत के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने क्रिकेट से लिया संन्यास, 8 साल पहले खेला था आखिरी मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने बृहस्पतिवार को क्रिकेट के हर प्रारूप को अलविदा कर दिया जिससे उनके 15 साल से अधिक के करियर पर विराम लग गया। भारत के लिए आखिरी बार 2017 में खेलने वाले 42 वर्ष के मिश्रा 2024 तक आईपीएल खेले हैं। उन्होंने कहा, 'मैने क्रिकेट से संन्यास का फैसला ले लिया है।' उन्होंने भारत के लिए 22 टेस्ट, 36 वनडे और 10 टी20 मैच खेले हैं । उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2008 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था।

गुरुवार को एक बयान में मिश्रा ने कहा कि पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने का उनका फैसला बार-बार होने वाली चोटों और अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों को बड़े मंच पर चमकने के पर्याप्त अवसर देने के विश्वास से प्रभावित था। उन्होंने कहा, 'मैं उन प्रशंसकों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिनके प्यार और समर्थन ने मुझे जब भी और जहां भी मैंने खेला, इस सफर को यादगार बना दिया। क्रिकेट ने मुझे अनगिनत यादें और अमूल्य सीख दी हैं और मैदान पर बिताया हर पल एक यादगार पल है जिसे मैं जिंदगी भर संजो कर रखूंगा।'

मिश्रा ने 2003 में बांग्लादेश में एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था, लेकिन मोहाली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण के लिए उन्हें 2008 तक इंतजार करना पड़ा, जहां वे अपने पहले ही मैच में 5 विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गए। 2013 में उन्होंने जिम्बाब्वे में 5 मैचों की श्रृंखला में 18 विकेट लेकर जवागल श्रीनाथ के द्विपक्षीय एकदिवसीय श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट लेने के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने बांग्लादेश में 2014 टी20 विश्व कप में भी खेला, जहां उन्होंने 14.70 की औसत और 6.68 की इकॉनमी रेट से 10 विकेट लिए जिसमें भारत उप-विजेता रहा।

2017 में भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेलने के बाद मिश्रा ने घरेलू क्रिकेट और IPL खेलना जारी रखा। उनका आखिरी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट मैच IPL 2024 में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ था, जहां उन्होंने 1-20 का औसत हासिल किया। मिश्रा हरियाणा के लिए एक शानदार घरेलू क्रिकेट करियर के अलावा IPL में सातवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जिन्होंने 162 मैचों में 23.82 की औसत और 7.37 की इकॉनमी रेट से 174 विकेट लिए हैं। उनके नाम IPL के इतिहास में तीन हैट्रिक लेने वाले एकमात्र गेंदबाज होने का रिकॉर्ड भी है। संयोग से मिश्रा की IPL हैट्रिक तीन अलग-अलग टीमों के लिए आईं:

2008 में दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स), 2011 में किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) और 2013 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए। भविष्य को देखते हुए मिश्रा ने कहा कि वह युवा क्रिकेटरों को कोचिंग, कमेंट्री और मार्गदर्शन के माध्यम से खेल से जुड़े रहना चाहते हैं, साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और यूट्यूब के माध्यम से प्रशंसकों के साथ नियमित रूप से बातचीत करना चाहते हैं।

(ईडी) ने अवैध सट्टेबाजी ऐप मामले में धवन से पूछताछ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन की मुश्किले बढ़ सकती हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध सट्टेबाजी ऐप मामले में गुरुवार को उनसे पूछताछ की। धवन भी कुछ गेमिंग कंपनियों के विज्ञापन से जुड़े है। वहीं सरकार ने हाल ही में सभी ऑनलाइन गैमिंग कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार सुबह कथित अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच में धवन से पूछताछ शुरू की। ईडी ने गुरुवार सुबह 11 बजे धवन को मुख्यालय में बुलाया। जिससे प्रचार और विज्ञापनों के माध्यम से ऐप से उनके कथित संबंधों और विश्रापनों से हुई आय का पता लगाया जा सके।

धवन से मुख्यालय पहुंचने के तुरंत बाद पूछताछ शुरू हुई और उन्हें जांचकर्ताओं के सामने पेश किया गया। इससे पहले इस मामले में सुरेश रैना सहित कुछ अन्य क्रिकेटरों से भी पूछताछ हुई थी। वे मशहूर सितारे जो ऐप से किसी भी प्रकार जुड़े रहे हैं उनसे इस मामले में पूछताछ हुई है। इन ऐप पर कर चोरी और निवेशकों से धोखाधड़ी का संदह है। इसमें कई अभिनेता भी शामिल हैं। यह मामला भारत में संचालित एक कथित अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म से जुड़ा है, जिस पर मनी लॉन्ड्रिंग, कर चोरी और अपने एल्गोरिदम में हेराफेरी का संदेह है। केंद्र सरकार ने हाल ही में एक कानून लाकर पैसे वाले ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगा दिया है। ऐसे में अब आगे इस तरह के ऐप का न कोई प्रमोशन होगा और न ही इसे भारत में संचालित किया जा सकेगा।

बीबीएल में खेलने वाले पहले भारतीय बन सकते हैं अश्विन

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन आईपीएल से संन्यास के बाद अब ऑस्ट्रेलियाई बिग बैश लीग (बीबीएल) में भी खेलते हुए नजर आ सकते हैं। अभी तक किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने इस लीग से नहीं खेला है। ऐसे में अगर अश्विन बीबीएल के लिए करार करते हैं तो अन्य भारतीय खिलाड़ियों का भी संन्यास के बाद एक नया विकल्प मिल जाएगा। कोई भी भारतीय क्रिकेटर संन्यास के बाद इस लीग में नहीं खेला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने स्वयं अश्विन से संपर्क किया है। उन्होंने अश्विन के आईपीएल से संन्यास लेने के तुरंत बाद उनसे बात की। ग्रीनबर्ग ने कहा कि अश्विन जैसे बड़े खिलाड़ी के बीबीएल में लाने से लीग का आकर्षण बढ़ेगा। वह एक चैंपियन क्रिकेटर हैं, जो लीग में और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में बहुत कुछ कर सकते हैं। इससे साफ है कि सीए इस करार को लेकर उत्सुक है। हालांकि, बीबीएल में अश्विन को लाने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को एक खास व्यवस्था करनी पड़ सकती है। इसके पीछे का कारण ये है कि अधिकांश टीमों ने अपने खिलाड़ियों पर अपना पर्स खर्च कर दिया है। ऐसे में अश्विन को देने के

लिए उनके पास ज्यादा पैसे नहीं होंगे। सूत्रों की मानें तो क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया डेविड वॉर्नर की तरह अश्विन को प्रति मैच के हिसाब से भुगतान कर सकती है। दो सत्र पहले वॉर्नर को हर मैच के लिए लगभग 80,000 ऑस्ट्रेलियन डॉलर यानी करीब 46 लाख रुपये मिलते थे। ऐसे में अश्विन के लिए भी इसी तरह का कोई खास करार तैयार किया जा सकता है। इसके साथ-साथ ब्रांड या एंडोर्समेंट डील भी इस समझौते का हिस्सा हो सकती हैं।अगर अश्विन और बीबीएल के बीच डील होती है तो यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक बड़ा कदम होगा, क्योंकि तमाम ऐसे क्रिकेटर हैं, जिनको भारत की टीम में या आईपीएल में मौका नहीं मिलता तो वे बीबीएल का रुख कर सकते हैं।

दलीप ट्रॉफी 2025: दूसरे सेमीफाइनल में छाए ऋतुराज गायकवाड़, लगाई बेहतरीन सेंचुरी

बेंगलुरु (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में वेस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच भिड़ंत हो रही है। जहां वेस्ट जोन के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने कमाल कर दिया है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पहली पारी में बेहतरीन सेंचुरी ठोकी है। गायकवाड़ ने अपनी क्लास दिखाते हुए 13 चौकों के दम पर अपना शतक पूरा किया। गायकवाड़ की सेंचुरी इसलिए भी खास है क्योंकि सेंट्रल जोन के खिलाफ वेस्ट जोन ने अपने दो धाकड़ बल्लेबाजों को पहले ही खो दिया था। यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर दोनों ही बल्लेबाज पहली पारी में फेल रहे। जहां जायसवाल ने महज 4 तो अय्यर ने 25 रन बनाए। ऋतुराज गायकवाड़ ने दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में अपने ही अंदाज में खेलते हुए स्ट्राइक रोटेशन के साथ-साथ क्लासिक चौके भी जड़े। बिना रिस्क लेते हुए गायकवाड़ ने 70 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से सेंचुरी लगाई। वो फर्स्ट क्लास करियर में 8वीं बार सैकड़ा लगाने में कामयाब रहे। गायकवाड़ के साथ श्रेयस अय्यर भी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, उन्होंने चार चौके लगा दिए थे लेकिन तेजी से बल्लेबाजी के फेर में वो 28 गेंदों में 25 रन पर बोल्ड हो गए। गायकवाड़ हालांकि, क्रीज पर जमे रहे और उन्होंने लंच के बाद अपनी सेंचुरी पूरी की। बाएं हाथ के बल्लेबाज यशस्वी

जायसवाल भी इंग्लैंड दौरे के बाद पहली बार मैदान पर दिखाई दिए और ये खिलाड़ी सिर्फ 3 ही गेंद खेलकर पवेलियन लौट गया। जायसवाल को बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। हार्विक देसाई भी दीपक चाहर का शिकार हो गए, वो एक रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद आर्या देसाई ने ऋतुराज के साथ मिलकर 82 रनों की साझेदारी की जिससे वेस्ट जोन की टीम शुरुआती झटकों से उबर पाई।

युकी भांबरी यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे, इतिहास रचने से 2 जीत दूर

यूएस ओपन 2025 से भारतीय फैंस के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी युकी भांबरी ने मेन्स डबल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भांबरी और न्यूजीलैंड के माइकल वीनस की जोड़ी ने अपना क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीत लिया। 13वीं वरीयता प्राप्त भांबरी-वीनस ने बुधवार को न्यूयॉर्क में खेले गए क्वार्टर फाइनल में 11वीं सीड राजीव राम और निकोला मेटकिक को 6-3, 6-7, 6-3 से हराया। ये मैच 2 घंटा और 37 मिनट तक चला। पहली बार युकी भांबरी किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले वह पिछले साल यूएस ओपन में प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे। अब मौजूदा प्रदर्शन से युकी भांबरी डबल्स रैंकिंग में टॉप-25 में पहुंच जाएंगे।

बता दें कि, आखिरी बार किसी भारतीय ने यूएस ओपन का खिताब 2015 में जीता था। उस दौरान लिएंडर पेस और सानिया मिर्जा क्रमश- मिक्स्ड डबल्स और महिला डबल्स में चैंपियन बने थे। रोहन बोपन्ना 2023 में यूएस ओपन के फाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन खिताब जीतने से चूक गए थे। युकी भांबरी-माइकल वीनस ने बेहतरीन शुरूआत करते हुए पहला सेट 6-3 से जीता। दूसरा सेट बेहद रोमांचक रहा और टाई-ब्रेक तक खिंच गया। इस दौरान युकी डबल फॉल्ट कर बैठे, जिसका फायदा उठाकर राम-मेटकिक ने टाईब्रेकर को 8-6 से जीत मैच को बराबरी पर ला दिया। निर्णायक सेट में भांबरी-वीनस ने बेहतरीन वापसी की और जल्दी ही ब्रेक हासिल करके हासिल कर बढ़त बनाई, जो निर्णायक रहा।

धोनी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, टीवी विज्ञापनों के मामले में अमिताभ बच्चन सहित कई बड़ी हस्तियों को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली । महेंद्र सिंह धोनी भले ही 5 साल पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके हों लेकिन उनका जलवा अभी भी कायम है। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि 2025 में सबसे ज्यादा टीवी विज्ञापन करने वालों में पहला नाम थाला यानि धोनी का है और उन्होंने टीवी विज्ञापनों के रिकॉर्ड तोड़ते हुए अमिताभ बच्चन, विराट कोहली सहित कई बड़ी हस्तियों को पीछे छोड़ दिया है। ञरू स्रश्व× की टीवी विज्ञापन रिपोर्ट (जनवरी-जून) के अनुसार धोनी 2025 की पहली छमाही में भारतीय टेलीविजन पर दूसरे सबसे ज्यादा दिखाई देने वाले सेलिब्रिटी बनकर उभरे हैं। ब्रांड एंडोर्समेंट के मामले में धोनी ने केवल 6 महीनों में 43 ब्रांडों के साथ काम कर शीर्ष स्थान हासिल किया, जो पिछले वर्ष के उनके 42 ब्रांडों के आंकड़े को पार कर गया। यह आंकड़ा अमिताभ बच्चन द्वारा 2024 के पूरे वर्ष के लिए किए गए कुल विज्ञापनों से भी ज्यादा है। शाहरुख खान ब्रांड संख्या में धोनी के बाद 35 विज्ञापनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं जबकि दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन 28 विज्ञापनों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। धोनी को प्रतिदिन औसतन 22 घंटे टीवी विज्ञापनों में देखा गया, जो सभी टेलीविजन चैनलों पर कुल विज्ञापनों की संख्या का लगभग 7त्न था। यह उन्हें भारतीय विज्ञापन जगत के सबसे भरोसेमंद चेहरों में से एक बनाता है। सबसे ज्यादा दिखाई देने वाले टीवी सेलेब्रिटीज़ की सूची में शामिल होने वाले अन्य क्रिकेटरों में विराट कोहली और राहुल द्रविड़ शामिल हैं। द्रविड़ की औसत दैनिक दृश्यता 6.4 घंटे और कोहली की 6.3 घंटे थी। दोनों ने कुल विज्ञापन मात्रा में लगभग 2त्न का योगदान दिया।

इगा स्वियाटेक को हराकर अमांडा अनिसिमोवा यूएस ओपन के सेमीफाइनल में

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमांडा अनिसिमोवा ने बुधवार को यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर दो टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक को 6-4, 6-3 से हराकर पहली बार टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। यह उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी और अहम जीत मानी जा रही है। करीब आठ हफ्ते पहले ही उन्हें विंबलडन फाइनल में स्वियाटेक के हाथों हार झेलनी पड़ी थी, लेकिन इस बार उन्होंने पूरी मजबूती और आत्मविश्वास के साथ वापसी करते हुए जीत हासिल की।

शुरुआत में दबाव, फिर लय में लौटीं

मैच की शुरुआत में स्वियाटेक ने तेजी से दबाव बनाया और जल्दी ब्रेक हासिल किया। लेकिन अनिसिमोवा ने हार नहीं मानी। उन्होंने तीसरे ब्रेक प्वाइंट पर एक शानदार फोरहैंड मारकर वापसी की और पहला सेट जीतकर आत्मविश्वास हासिल किया। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'पहला गेम जीतने से मुझे राहत मिली और मैं फिर सहज होकर खेल सकी।'

पहला सेट कड़ा लेकिन अहम

पहला सेट काफी टक्कर वाला रहा। अनिसिमोवा ने कई अहम मौकों पर शानदार शॉट लगाए और स्वियाटेक की दूसरी सर्विस पर ज़्यादातर अंक जीत लिए। उन्होंने आक्रामक खेल दिखाते हुए पहला सेट 6-4 से अपने नाम किया। दूसरे सेट की शुरुआत में स्वियाटेक ने 2-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन अनिसिमोवा ने वापसी करते हुए गेम को अपने पक्ष में कर लिया। उन्होंने स्वियाटेक की सर्विस तोड़ी और मैच में नियंत्रण बनाए रखा। स्वियाटेक की लगातार गलतियों और कमजोर सर्विस का उन्होंने पूरा फायदा उठाया।

मानसिक तौर पर तैयार थीं

अनिसिमोवा ने बताया कि उन्होंने मैच से पहले विंबलडन की हार दोबारा देखी, ताकि समझ सकें कि गलती कहाँ हुई थी। उन्होंने कहा, 'मैंने खुद को मानसिक रूप से तैयार किया था। डर बिल्कुल भी नहीं था और मैं खुद को लगातार प्रोत्साहित कर रही थी।'

स्वियाटेक ने मानी हार की वजह

स्वियाटेक ने माना कि उनकी सर्विस में कमी रही और अनिसिमोवा ने उनकी दूसरी सर्विस पर बेहतरीन रिटर्न लगाए। उन्होंने कहा, 'मेरी सर्विस ने आज फर्क पैदा किया।'

अब अगली चुनौती सेमीफाइनल में

अब अनिसिमोवा का सामना सेमीफाइनल में या तो नाओमी ओसाका या करोलिना मुचोवा से होगा। अनिसिमोवा ने कहा, 'दोनों खिलाड़ी मजबूत हैं, मुझे पूरे ध्यान से खेलना होगा।'

जीत से बढ़ा आत्मविश्वास

अनिसिमोवा ने कहा, 'यह मेरे करियर की सबसे खास जीत है। इससे मुझे यकीन हो गया है कि मैं दुनिया की टॉप खिलाड़ियों के साथ मुकाबला कर सकती हूँ।'

एकदिवसीय विश्वकप में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी पाक टीम : सना

लाहौर । आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप के लिए पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान फातिमा सना ने कहा है कि उनकी टीम भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से दो नवंबर तक होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। पाक टीम अपना पहला मैच दो अक्टूबर को कोलंबो में बांग्लादेश से खेलेगी। महिला विश्व कप में पाकिस्तान की टीम पांच बार खेल चुकी है लेकिन 1997, 2013 और 2017 में एक भी मैच नहीं जीत सकी।

पिछली बार 2022 में उसे एकमात्र जीत हैमिल्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली लेकिन बाकी सारे मैच हारकर टीम आखिरी स्थान पर रही थी। पाकिस्तान के लिये 34 एकदिवसीय में 397 रन बनाने और 45 विकेट लेने वाली फातिमा को भरोसा है कि इस बार उनकी टीम जीतेग क्योंकि उसमें शामिल युवा खिलाड़ियों को पता है कि उनके प्रदर्शन से देश में महिला क्रिकेट का विकास होगा। उन्होंने कहा, ''युवा खिलाड़ियों को पता है कि पाकिस्तान महिला क्रिकेट के लिये यह टूर्नामेंट कितना अहम है। हम अतीत के बारे में नहीं सोचेंगे। मेरा लक्ष्य टीम को सेमीफाइनल तक ले जाना है।'' उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी पर भी पिछले एक साल में काफी काम किया गया है। उन्होंने कहा, ''हमारे पास अच्छे गेंदबाज हैं और स्पिनर हमारे ट्रंपकार्ड होंगे। हम बल्लेबाजी से ज्यादा गेंदबाजी पर निर्भर करेंगे लेकिन पिछले एक साल में बल्लेबाजी पर काफी काम किया है जिसका परिणाम मिलेगा।'' उन्होंने कहा कि टीम का ध्यान क्वालीफायर वाली लय को कायम रखने पर होगा और दक्षिण अफीका के खिलाफ टूर्नामेंट से पहले होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला से टीम संयोजन तैयार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, ''टीम अच्छी लय में है और क्वालीफायर में उम्दा प्रदर्शन के बाद सभी का मनोबल बढ़ा हुआ है। टीम में वही खिलाड़ी टीम में हैं जो क्वालीफायर खेली थीं। छह खिलाड़ियों का यह पहला विश्व कप है और वे काफी उत्साहित हैं।'' फातिमा ने कहा, ''विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में कप्तानी करने को लेकर दबाव तो है पर वह भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से प्रेरणा लेती हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैने उनके भारत के कप्तान के तौर पर और आईपीएल के भी मैच देखे हैं। वह जिस तरह मैदान पर फैसले लेते हैं, शांत रहते हैं और अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं, उससे काफी कुछ सीखने को मिलता है। जब मुझे कप्तानी मिली थी तभी मैने सोचा था कि धोनी की तरह बनना है।''

टेस्ट को रोमांचक बनाने जब चाहे नई गेंद लेने का नियम शुरु करें : कुक

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट को रोमांचक बनाने के लिए गेंद बदलने के नियम में बदलाव करना है। कुक ने कहा है कि अभी 80 ओवरों के बाद ही गेंद बदली जाती है जबकि ऐसा करना चाहिये कि कभी भी गेंद बदली जा सके। का इस्तेमाल किसी भी ओवर से कर सकते हों। अभी के लिए ये निमय 80 ओवर के बाद शुरू होता है। एलिस्टर कुक ने ये बात पूर्व कप्तान माइकल वॉन, डेविड लॉयड और फिल टफनेल के साथ खेल के नियमों में बदलाव की बात करते हुए कही। उनका कहना था कि इससे खेल और बेहतर होगा। इसी दौरान कुक ने कहा कि कभी भी गेंद बदलने से एक मैच में 20 विकेट लेने में सहायता मिल सकती है, साथ ही फैसल लेने में एक और रणनीतिक पहलू भी जुड़ सकता है। एक कार्यक्रम में कुक ने कहा, मैं एक नया नियम जोड़ना चाहूंगा कि 160 ओवरों में आप जब चाहें नई गेंद ले सकें? कुक ने कहा, आपके पास 160 ओवरों के लिए दो नई गेंदें होती हैं। ऐसे में नियम ये होना चाहिए कि आप जब चाहें दूसरी गेंद ले सकते हैं। आप चाहें तो 30 ओवरों के बाद दूसरी नई गेंद ले सकते हैं। अभी जो नियम नई गेंद को लेकर है उसमें गेंदबाजी करने वाली टीम के पास हर 80 ओवर के बाद एक नई गेंद लेने का विकल्प होता है पर कुक के सुझाव के बाद उन्हें पहले भी नई गेंद लेने का अवसर मिल सकता है, जिससे वे विकेट निकाल सकें।

विराट कोहली और रोहित शर्मा पर बोले पूर्व क्रिकेटर, हम एक प्रदर्शन-आधारित उद्योग में हैं

बेंगलुरु (एजेंसी)। रोहित शर्मा और विराट कोहली अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे के दौरान भारतीय वनडे टीम में अपनी बहुचर्चित वापसी के लिए तैयार हैं। लंबे समय से टीम से जुड़े ये दोनों खिलाड़ी पिछले एक साल में टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और 50 ओवरों के प्रारूप में अपने भविष्य को लेकर भी चुप्पी साधे हुए हैं। कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि मौजूदा टीम प्रबंधन नहीं चाहता कि ये दोनों ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के बाद खेलना जारी रखें। हालांकि पूर्व भारतीय क्रिकेटर दीप दासगुप्ता ने जोर देकर कहा है कि किसी को भी यह तय करने का अधिकार नहीं है कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से कब संन्यास लेना चाहिए।

दासगुप्ता ने कहा, 'किसी ने भी यह सही नहीं किया। हमने उन्हें कभी शुरुआत करने के लिए नहीं कहा, इसलिए हम उन्हें यह बताने वाले कोई नहीं होते कि कब रुकना है। वे जब रुकते हैं, तब रुकते हैं। यह पूरी तरह से उन पर निर्भर करता है। हां, जहां तक चयन का सवाल है तो हम एक प्रदर्शन-आधारित उद्योग में हैं। आप प्रदर्शन करते रहें, आप बने रहें। इसमें कोई दो राय नहीं है। मैंने हाल ही में उनकी (रोहित) तस्वीरें देखीं, वह फिट दिख रहे हैं, वह पूरी तरह से तैयार हैं और आने वाली चुनौती के लिए तैयार हैं।'

पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि उन दोनों के पास आगे बढ़ने के लिए कुछ साल बाकी हैं। मुझे सचमुच थोड़ा गुस्सा आता है जब लोग कहते हैं, 'ओह, इस आदमी को संन्यास ले लेना चाहिए'। मेरा मतलब है कि हम कौन होते हैं ऐसा सुझाव देने वाले?' अगले 12 महीनों में वनडे मैचों की कमी पर बात करते हुए दासगुप्ता का मानना है कि अगर रोहित और कोहली मैच के लिए फिट रहना चाहते हैं तो उन्हें IPL के अलावा विदेशों में खेलने के मौके भी तलाशने चाहिए।

उन्होंने कहा, 'उदाहरण के लिए IPL दो महीने तक चलेगा। फिर वे 7-8 या शायद 8-9 वनडे मैच खेलेंगे। इस बीच विजय हजारे ट्रॉफी है। फिर अगर वे चाहें, तो इंग्लैंड जाकर 50 ओवर का मैच खेल सकते हैं। इसलिए आपके पास क्रिकेट खेलते रहने के विकल्प हैं, भले ही उच्चतम स्तर या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न हों, लेकिन आपके पास अभी भी विकल्प हैं।'

दासगुप्ता ने कहा अगर दोनों मानदंड पूरे कर लेते हैं, तो उन्हें ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में लीग क्रिकेट खेलने के विकल्पों पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि इसकी कोई संभावना है या नहीं, शायद

दक्षिण अफ्रीका जाएं या ऑस्ट्रेलिया जाकर वहां कुछ 50 ओवर के मैच खेलें। मुझे पता है, जहां तक इंग्लैंड का सवाल है कि यह निश्चित रूप से एक विकल्प है। हालांकि मुझे दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से जुड़े नियमों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन असल बात है भूख। अगर उनमें पर्याप्त भूख है, तो वे कोई न कोई रास्ता निकाल ही लेंगे।'

भुवनेश्वर अभी संन्यास नहीं लेंगे

नई दिल्ली । मध्यम तेज गति के गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार का करियर अब समापत होने की ओर बढ़ रहा है। पिछले काफी समय में उन्हें भारतीय टीम में किसी भी प्रारुप में अवसर नहीं मिला है। भुवनेश्वर कुमार ने आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 14 मैच में 17 विकेट हासिल किए फिर भी चयनकर्ताओं ने उनके नाम पर विचार तक नहीं किए। टीम इंडिया में वापसी को लेकर भूवी ने कहा, मैं अपनी गेंदबाजी का आनंद ले रहा हूं। मैंने अभी संन्यास के बार में सोचा नहीं है। जब तक मैं फिट रहूंगा, खेलना जारी रखूंगा। बाकी का काम चयनकर्ताओं का है। भुवनेश्वर कुमार अभी उत्तर प्रदेश प्रीमियर लीग 2025 में मेरठ मेवरिक्स के लिए लिए खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक 8 मैच में 9 विकेट ले चुके हैं और वो भी सिर्फ 6.76 की इकॉनमी रेट से। टीम इंडिया में वापसी नहीं हो पाने को लेकर कुमार ने कहा, चयनकर्ता इस सवाल का जवाब देंगे। मेरा काम मैदान पर अपना 100 प्रतिशत देना है। यूपी लीग के बाद अगर मुझे मुश्ताक अली, रणजी या यूपी के लिए एकदिवसीय प्रारुप में अवसर मिला तो मैं वहां भी अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा। एक अनुशासित गेंदबाज के तौर पर मेरा ध्यान हमेशा फिटनेस बनाये रखने और लाइन-लेंथ के साथ ही अपना सर्वहश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर रहता है।

साबूदाना पायसम

छह लोगों के लिए

सामग्री

500 ग्राम साबूदाना, 20 ग्राम घी, 1 लीटर दूध, 1/2 टी स्पून केसर के धागे, 200 ग्राम गुड़, 2 छोटी इलायची पिसी हुई, 50 ग्राम काजू के टुकड़े, 20 ग्राम किशमिश।

विधि

- एक फ्राइंग पैन में घी डालकर गर्म करें।
- काजू व किशमिश डालकर सुनहरा करें। अलग रखें।
- एक पैन में 1 लीटर पानी उबालें। जब पानी खौलने लगे तब साबूदाना डाल कर पकाएं। जब साबूदाना पक जाए तब गुड़ डालकर अच्छी तरह चलाते हुए पकाएं।
- गुड़ जब अच्छी तरह घुल जाए तब केसर, इलायची पाउडर, काजू और किशमिश डालकर अच्छी तरह मिलाएं।
- दूध डालकर अच्छी तरह मिलाएं। आंच से उतार ठंडा करके सर्व करें।

सात लोगों के लिए

बेसनी कचौड़ी

सामग्री: 600 ग्राम मैदा, 250 ग्राम बेसन, एक चम्मच लाल मिर्च, एक चुटकी हींग, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए घी।

विधि : 8 500 ग्राम मैदा रोटी के आटे की तरह गूंध लें। बेसन में नमक, हींग, मिर्च डालकर मैदा की तरह गूंध लें।

8 मैदा की लोई बनाकर इसमें बेसन कचौड़ी की तरह भर लें। टिकिया को बची मैदा का पलोथन अच्छी तरह लगा-लगाकर पतली बेल लें। जितनी पतली बेलेंगी उतनी ही अच्छी होगी।

8 कड़ाही में घी खूब गर्म करके उसमें कचौड़ी डालें। डालते ही यह फूल जाएगी।

> डॉक्टर बनने का रास्ता एमबीबीएसए, बीडीएसए, बीएएमएसए, बीएचएमस जैसे कोर्सेज से होकर जाता है। इसके लिए आपको ऑल इंडिया प्री. मेडिकल टेस्ट एग्जाम क्वालिफाई ई करना होता है। मेरिट के बेस पर आपको इन कोर्सेज में एडमिशन मिलता है। तीन मई को होने वाले इस एग्जाम में ऑब्जेक्टिव टाइप के 180 प्रश्न पूछे जाते हैं। इसमें तीन भाग होते हैं। फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी। यह एग्जाम क्वालिफाई ई करने के लिए केवल इंटेलिजेंस ही काफी नहीं है। इसके लिए अच्छी स्ट्रेटेजी भी जरूरी है।

स्मार्ट स्ट्रेटेजी से पाएं सफलता

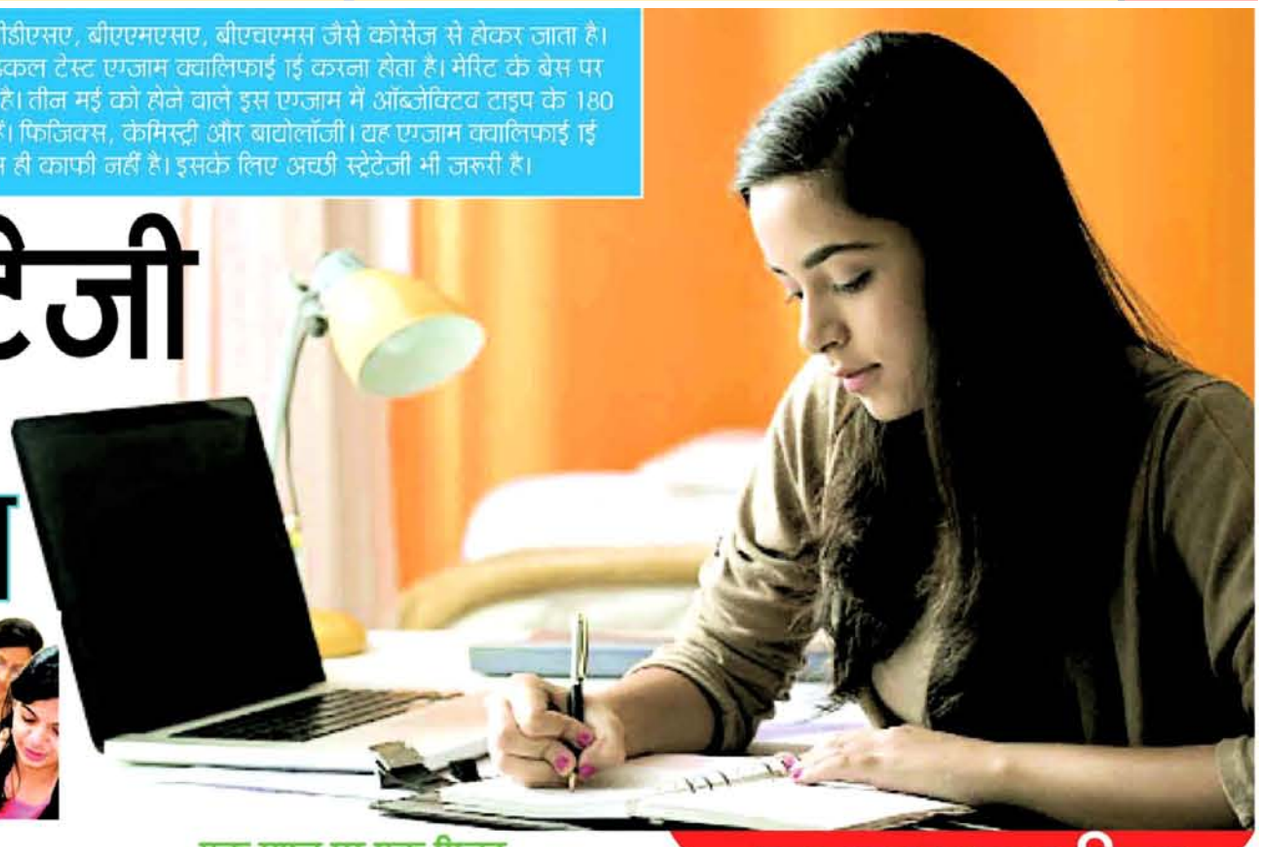

ये हैं स्कोरिंग चैप्टर्स

फिजिक्स, मॉडर्न फिजिक्स, सिंपल सर्किट, मैकेनिक्स, ऑप्टिक्स, हीट, मैग्नेटिज्म और वेव्स केमिस्ट्री, रिएक्शन मैकेनिज्म कॉम्प्लेक्स कंपाउंड केमिकल बॉन्डिंग पॉलिमर एरोमैटिक कंपाउंड केमिकल इक्विलिब्रियम बायोलॉजी,क्लासीफिकेशन एनिमल फिजियोलॉजी एंजियोस्पर्म एप्लीकेशन बायोलॉजी जेनेटिक्स और साइकोलॉजी

कॉन्सेप्ट पर करें मेहनत

पीएमटी एग्जाम में कॉन्सेप्ट बेस्ड नए प्रश्न पूछे जाते हैं। इसलिए हर टॉपिक के कॉन्सेप्ट और फॉर्मूले का यूज अच्छी तरह समझ लें। टॉपिकवाइज नए-नए प्रश्न को सॉल्व करें और अपनी परफॉर्मेंस एनालाइज करें।

प्रैक्टिस करके बढ़ाएं स्पीड

हर दिन नियमित रूप से दो से तीन प्रैक्टिस सेट तय समय से थोड़े कम में सॉल्व करें। जितने ज्यादा से ज्यादा मॉक टेस्ट दे सकेंगे जरूर दें। इससे आपकी स्पीड भी तेज होगी और आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ेगा।

एक प्रश्न पर एक मिनट

इस एग्जाम में तीन घंटे में तीन सब्जेक्ट्स के 180 प्रश्न पूछे जाते हैं। ऐसे में प्लानिंग के साथ एक प्रश्न पर एक मिनट या उससे कम समय दें ताकि सभी प्रश्नों को देखकर उसे हल कर सकेंगे। आखिर में आपके 15.20 मिनट रिवीजन के लिए भी बच जाएंगे तो अच्छा है।

निगेटिव मार्किंग से बचें

एआइपीएमटी में निगेटिव मार्किंग सिस्टम है। सभी रॉन्ग आंसर के लिए एक अंक काट लिए जाते हैं। ऐसे में उन्हीं प्रश्न को पहले सॉल्व करें जिन पर आप कॉन्फिडेंट हों। इसके बाद उनको टच करें जिसमें 50.50 का चांस लग रहा हो। वैसे प्रश्न को ट्राई करने की गलती न करें जिनके किसी भी ऑप्शन के प्रति आप श्योर नहीं हैं।

छोटी मगर जरूरी बातें

फ्रेशर्स एग्जाम पैटर्न को पूरी तरह से समझ लें। अपने नोट्स जरूर बनाएं। उनसे रिवीजन करें।

एग्जाम टाइम टिप्स

- एग्जाम से एक दिन पहले ही खुद को पूरी तरह कूल रखें।
- एग्जाम हॉल में जब पेपर सामने हो तो जरा भी न घबराएं।
- किसी तरह की टेंशन से बचने के लिए एग्जाम से कुछ देर पहले क्लासिकल या पुराने गाने सुनें और रिलैक्स हो लें।
- एग्जाम के दौरान मिल्की चॉकलेट खाएं। इससे ग्लूकोज भी मिलता रहेगा और रेस्पिरेटरी सिस्टम भी ठीक रहेगा।

सिस्टेमेटिक तैयारी जरूरी

पीएमटी की तैयारी के लिए आपको सिस्टेमेटिक अप्रोच रखना चाहिए। पहले ईजी प्रश्न सॉल्व करें फिर टफ फिजिक्स की रोज कम से कम 4.6 घंटे प्रैक्टिस करें। केमिस्ट्री को 10.15 दिन पर रिवाइज करें। बॉयोलॉजी के लिए रेगुलर 2.3 घंटे फिक्स्ड टाइम दें। खुद को किसी से कम न समझें सफलता आपकी मुट्ठी में होगी।

तराशें टैलेंट

अगर आपको अपने टैलेंट के बारे में अच्छी तरह पता है और आप उसे लगातार निखारने में लगे रहते हैं तो तय मानिए जॉब मार्केट में भी हर कीमत पर आपको अपने साथ बनाए रखना चाहेगी। आपकी वैल्यू न सिर्फ हमेशा हाई रहेगी बल्कि वर्तमान कंपनी

प्रखर वर्मा एक बड़ी टेलीकम्युनिकेशन कंपनी के मार्केटिंग डिवीजन में सीनियर सेल्स मैनेजर हैं। उन्होंने एमबीए करने के बाद पांच साल पहले इसी कंपनी से जूनियर एग्जीक्यूटिव पद से नौकरी की शुरुआत की थी। अपनी काबिलियत, स्मार्टनेस, सक्रियता, टीम स्पिरिट और कम्युनिकेशन स्किल की बदौलत उन्हें चार प्रमोशन मिले। उनका रिकॉर्ड रहा है कि वे हमेशा दिए गए टार्गेट से डेढ़ गुना ज्यादा अचीव करके कंपनी को देते रहे हैं। अपनी इस थ्यूएसपी की बदौलत वे अधिकारियों और कंपनी के चहेते रहे हैं। हलांकि हाल में कई बड़ी कंपनियों द्वारा उन्हें डेढ़ से दो गुनी सैलरी ऑफर होने की भनक लगते ही उनकी वर्तमान कंपनी सचेत हो गई। वह प्रखर को किसी भी कीमत पर अपने से अलग नहीं होने देना चाहती। यही कारण है कि हाल में उसने उन्हें पद और पैसे में बढ़ोत्तरी करने के अलावा ई-सॉप्स यानी एम्प्लॉयी स्टॉक ओनरशिप प्लान देकर उनके साथ अपने संबंध और मजबूत बना लिए हैं।

इंट्रेस्ट को समझें

पहचान पाने और तरक्की की सीढ़ियां लगातार चढ़ते जाने के लिए यह जरूरी है कि आप अपने इंट्रेस्ट वाले क्षेत्र में खुद को आगे बढ़ाने की अनवरत कोशिश करें। हलांकि कई बार ऐसा भी होता है कि तमाम लोग यह समझ ही नहीं पाते कि वास्तव में उनका इंट्रेस्ट किस दिशा में है। कभी उन्हें एक्टिंग भाती है तो कभी पेंटिंग और कभी स्पोर्ट्स। हद तो यह है कि अक्सर दूसरों को मेडिकल, इंजीनियरिंग या आइएएस की तैयारी करते देख वे खुद भी उसी राह पर चल पड़ते हैं, बिना सोचे-समझे कि वह उनके मन का क्षेत्र है या नहीं। कई बार यह सोचकर भी लोग अपने इंट्रेस्ट वाले क्षेत्र से उल्टी धारा में बहने लगते हैं कि पता नहीं उसमें कुछ बन पाएंगे या नहीं। दुविधा की यह स्थिति अगले कुछ सालों में उनकी लय पूरी तरह बिगाड़ देती है। फिर जैसे-तैसे जिंदगी की गाड़ी खींचने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

बनाएं पहचान

अगर आप अपने इंट्रेस्ट को बखूबी समझते हुए उसी दिशा में अपना टैलेंट तराशने की कोशिश करेंगे, तो आप एक न एक दिन जरूर कामयाब और कॉन्फिडेंट होंगे। आज के समय में किसी भी फील्ड को कम करके नहीं आंका जा सकता। ऐसे में जो भी आपका इंट्रेस्ट एरिया हो, उसमें पूरी तरह डूबें। उसमें अव्वल दर्जे की महारत हासिल करने की कोशिश करके ही आप अपनी पहचान बना सकते हैं।

से तौबा

कोई भी व्यक्ति शुरुआत से ही परफेक्ट नहीं होता। वह गलतियों से सीखता और खुद को सुधारता है। सामने आने वाली कमजोरियों पर नजर रखते हुए समय रहते उन्हें दूर कर लेता है। लेकिन जो खुद को औरों से ज्यादा ज्ञानवान और होशियार समझता है, अपनी कमजोरियों को नजरअंदाज करता है, वह अपने ही विकास में रोड़े अटका देता है।

मल्टीटास्कर की पूछ

जिस फील्ड में आपका स्पेशलाइजेशन है उसमें तो आप आगे बढ़कर अपनी क्षमता दिखाएं ही। इसके अलावा, मल्टीटास्कर बनने की दिशा में भी कदम बढ़ाएं। कई बार ऐसा होता है कि ऑफिस में अचानक कोई काम आ जाने पर उसका एक्सपर्ट नहीं मिलता। ऐसे में संकटमोचक का काम मल्टीटास्कर ही करता है। आज वह समय नहीं रहा जब एक ही काम करते हुए पूरी जिंदगी बिता दी जाती थी। आज एम्प्लॉयी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अपने फील्ड से संबंधित हर तरह के काम निपुणता के साथ कर सकता है।

टीम वर्क और एटीट्यूड

आज के समय में कामयाबी की एक शर्त टीम वर्क के रूप में काम करने की काबिलियत भी है। अगर आप अपनी टीम के साथ तालमेल बनाकर रखते हैं तो इससे आप हर तरह के असाइनमेंट को अंजाम तक पहुंचा सकते हैं। लेकिन इसके लिए टीम मेंबर के साथ आपको सहयोगी रुख बनाये रखना होगा। पॉजिटिव एटीट्यूड के साथ आप माहौल को खुशनुमा बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। इससे आउटपुट और बेहतर होगा।

- जॉब मार्केट में अपनी वैल्यू बढ़ाना चाहते हैं तो अपने स्पेशलाइजेशन को लगातार अपडेट करते रहें।
- समय-समय पर अपनी कमजोरियों की तलाश कर उन्हें दूर करने का प्रयास करें।

मिस्सी मसाला पराठा

सामग्री-गेहूं का आटा- 1 कप, बेसन-1/2 -1 कप, हींग-1 चुटकी, अजवायन-1/4 छोटी, अदरक- 1 इंच अदरक का टुकड़ा (पेस्ट बना लीजिये), लाल मिर्च-1/4 छोटी चम्मच से कम, जीरा, 1/4 छोटी चम्मच, नमक - स्वादानुसार (आधा छोटी चम्मच), हल्दी पाउडर- 1/4 छोटी चम्मच, हरा धनियां-3-4 टेबल स्पून, तेल-2-4 छोटी चम्मच आटे में डालने के लिये और परांठे बनाने के लिये।

विधि : बाउल में गेहूं का आटा, बेसन, तेल, नमक, लालमिर्च, हल्दी, जीरा, हींग और हरा धनियां डालकर अच्छी तरह मिला लीजिये और पानी की सहायता से नरम आटा गूंथ कर तैयार कर लीजिये। गुथे आटे को ढककर आधा घंटे के लिये रख दीजिये आटा फूल कर सैट हो जायेगा। तवे को गरम कीजिये, आटे से थोड़ा सा आटा एक नीबू से थोड़ा अधिक तोड़ कर लोई बना लीजिये। लोई को सूखे गेहूं के आटे में लपेट कर चकले पर रखिये और पतला 2/2-3 इंच के व्यास में बेल कर तैयार कर लीजिये। बेले गये परांठे के ऊपर थोड़ा सा तेल डालकर चारों ओर फैला लीजिये, चारों ओर से आटे को उठाते हुये बन्द कर दीजिये। जो गोल लोई बनकर तैयार हो गई है। उसे सूखे आटे में लपेट कर बेलिये। जैसे ही परांठा चकले से चिपकने लगे बेले गये परांठे को फिर से सूखे आटे में लपेटकर, पतला परांठा बेल कर तैयार कर लीजिये। बेले हुये परांठे को मीडियम गरम तवे पर डालिये। परांठे को निचली सतह पर हल्का सा सिकने पर पलट दीजिये। जब परांठा दूसरी ओर हल्की ब्राउन चित्ती आते हुये सिक जाय तब पहली सतह पर 1 छोटी चम्मच तेल डालकर चारों ओर फैला दीजिये। परांठे को पलट दीजिये। दूसरी ओर भी तेल डालकर फैलाइये। परांठे को ऊपर से चमचे से दबाते हुये। ब्राउन चित्ती आने तक सेक कर पलट दीजिये। परांठे को दोनों ओर से ब्राउन चित्ती आने तक सेक कर उतार लीजिये। सिके हुए परांठे को किसी प्लेट पर रखी प्याली पर रख लीजिये। सारे गोल परांठे इसी तरह बनाकर तैयार किये जा सकते हैं। परांठे के साथ दही, चटनी, अचार, आलू टमाटर की सब्जी या किसी भी सब्जी के साथ परोसिये और खाइये।

हल्दी के अनोखे नुस्खके

- पेट में कीड़े होने पर 1 चम्मच हल्दी पाउडर रोज सुबह खाली पेट एक सप्ताह तक ताजा पानी के साथ लेने से कीड़े खत्म हो सकते हैं। चाहें तो इस मिश्रण में थोड़ा नमक भी मिला सकते हैं। इससे भी फायदा होगा।
- चेहरे के दाग-धब्बे और झाइयाँ हटाने के लिए हल्दी और काले तिल को बराबर मात्रा में पीसकर पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएँ। - हल्दी-दूध का पेस्ट लगाने से त्वचा का रंग निखरता है और आपका चेहरा खिला-खिला लगता है।
- खाँसी होने पर हल्दी की छोटी गाँठ मुँह में रख कर चूसें। इससे खाँसी नहीं उठती।
- त्वचा से अनचाहे बाल हटाने के लिए हल्दी पाउडर को गुनगुने नारियल तेल में मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को हाथ-पैरों पर लगाएँ। इसे त्वचा मुलायम रहती है और शरीर के अनचाहे बाल भी धीरे-धीरे हट जाते हैं।
- सनबर्न की वजह से त्वचा झुलसने या काली पड़ने पर हल्दी पाउडर, बादाम चूर्ण और दही मिलाकर प्रभावित स्थान पर लगाएँ। इससे त्वचा का रंग निखर जाता है और सनबर्न की वजह से काली पड़ी त्वचा भी ठीक हो जाती है। यह एक तरह से सनस्क्रीन लोशन की तरह काम करता है।

जूनियर एनटीआर की सोलो स्पाई फिल्म एजेंट विक्रम अब हुई बंद

यशराज फिल्म्स की सबसे फिल्मों में से एक वॉर 2 बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही। कमजोर कंटेंट के चलते न केवल दर्शकों और समीक्षकों ने फिल्म को नकारात्मक प्रतिक्रिया दी बल्कि थिएटर में भी यह फिल्म उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। इस नाकामी से यशराज स्टूडियो को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है, जिसका सीधा असर बैनर की स्पाई यूनिवर्स की आगे की फिल्मों पर पड़ा। सबसे बड़ा झटका तब लगा जब स्टूडियो के प्रमुख आदित्य चोपड़ा ने जूनियर एनटीआर के किरदार एजेंट विक्रम पर बेस्ड स्टैंडअलोन फिल्म को बंद करने का फैसला ले लिया। सूत्रों के मुताबिक... यशराज का इरादा जूनियर एनटीआर की पैन इंडिया लोकप्रियता का फायदा उठाते हुए उनके किरदार पर एक सोलो फिल्म बनाने का था और क्रिएटिव टीम इस पर काम भी शुरू कर चुकी थी। लेकिन वॉर 2 की असफलता के कारण इस फिल्म को शुरू होने से पहले ही बंद करना पड़ा।

डायरेक्टर निखिल नागेश करेंगे हॉलीवुड डेब्यू

निर्देशक निखिल नागेश भट्ट ही में अपनी एक्शन थ्रिलर फिल्म किल से दर्शकों का खूब दिल जीता। यह फिल्म कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल्स में दिखाई गई और बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन किया। खासकर इसके नए तरह के एक्शन को दर्शकों ने काफी पसंद किया। अब निखिल को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि वह अपनी अगली फिल्म के जरिए सीधे हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं। सूत्रों के अनुसार... वह काफी समय से यूनिवर्सल स्टूडियोज के अधिकारियों से मुलाकात कर रहे थे और अब बातचीत आगे बढ़ चुकी है। यह एक हाई-ऑक्टेन ग्लोबल एक्शन फिल्म होगी, जिसे बड़े पैमाने और हाई बजट में बनाया जाएगा।

कांतारा चैप्टर 1 के बाद टॉक्सिक और जूनियर एनटीआर की फिल्म में भी रुक्मिणी वसंत की एंट्री

कन्नड़ सिनेमा की बेहद हसीन एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत के सितारे इन दिनों 9वें आसमान पर हैं। 28 साल की इस हसीना ने छह साल पहले 2019 में एक्टिंग करियर की शरुआत की थी। अब ऐसा लग रहा है कि वह साउथ सिनेमा की सबसे बड़ी सुपरस्टार बनने की तैयारी में हैं।

पिछले दिनों ऋषभ शेट्टी की कांतारा चैप्टर 1 में उनकी एंट्री ने सुर्खियां बटोरी थीं, वहीं अब प्रोड्यूसर एनवी प्रसाद ने खुलासा किया है कि रुक्मिणी यश स्टारर टॉक्सिक और प्रशांत नील-जूनियर एनटीआर की फिल्म ड्रैगन में भी लीड रोल में नजर आएंगी। खास बात यह है कि रुक्मिणी इन दिनों एआर मुरुगदॉस के साथ अपनी फिल्म मधरासी के प्रमोशन में भी जुटी हुई हैं।

एनवी प्रसाद ने यह घोषणा शिवकार्तिकेयन और रुक्मिणी स्टारर तमिल फिल्म मधरासी के प्रमोशन इवेंट में की है। उन्होंने बताया कि एक्ट्रेस को प्रशांत नील के डायरेक्शन में बन रही जूनियर एनटीआर स्टारर एक्शन ड्रामा ड्रैगन और गीतू मोहनदास निर्देशित टॉक्सिक- अ फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स में भी कास्ट किया गया है।

इस साल मधरासी के बाद कांतारा चैप्टर 1 अगले साल भी रुक्मिणी की दो फिल्में

रुक्मिणी वसंत का नाम पिछले कुछ समय से एनटीआर-नील प्रोजेक्ट को लेकर लगातार चर्चा में था। सोशल मीडिया पर इसको लेकर तमाम तरह की रिपोर्ट आ रही थी। हालांकि, निर्माताओं ने इससे पहले कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की थी। यकीनन अगला साल 2026 रुक्मिणी वसंत के लिए बेहद खास होने वाला है।

रुक्मिणी वसंत की फिल्में

रुक्मिणी वसंत ने इसके अलावा बनादारियाल्ली, बघीरा और भैरथी रानागल जैसी बड़े बैनर वाली कन्नड़ फिल्मों में काम किया है। उन्होंने अप्पुडो इप्पुडो एप्पुडो और ऐस जैसी फिल्मों से तेलुगू और तमिल इंडस्ट्री में भी कदम रखा। अब उनकी शिवकार्तिकेयन स्टारर मधरासी इसी शुक्रवार, 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

कौन हैं रुक्मिणी वसंत

साल 2019 में अपने करियर की शुरुआत करने वाली रुक्मिणी वसंत 10 दिसंबर 1996 को बेंगलुरु में पैदा हुई हैं। उनकी डेब्यू फिल्म बिरबल थी, जिसमें वह एमजी श्रीनिवास के साथ नजर आईं। साल 2023 में हेमंत एम राव के डायरेक्शन में बनी सप्त सागरदाचे एलो से रुक्मिणी को पॉपुलैरिटी मिली। इसमें उनके साथ रक्षित शेट्टी थे।

शाहिद ने पूरी की अपकमिंग फिल्म की शूटिंग

अहम किरदार में होंगी तृप्ति डिमरी

अभिनेता शाहिद कपूर के फैंस के लिए अच्छी खबर है। उन्होंने विशाल भारद्वाज के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। हालांकि इस फिल्म का क्या नाम होगा, इसका अभी तक पता नहीं चल पाया है। शाहिद कपूर ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग पूरी होने की जानकारी दी है। पोस्ट में उन्होंने बताया है कि इस फिल्म में कौन-कौन से कलाकार होंगे।

शाहिद कपूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर विशाल भारद्वाज के साथ एक तस्वीर शेयर की है। तस्वीर में देखा जा सकता है कि विशाल भारद्वाज शाहिद कपूर को कुछ समझाते हुए नजर आ रहे हैं। शाहिद कपूर ने इस तस्वीर के साथ एक नोट लिखा है। नोट में उन्होंने बताया है कि इस फिल्म के टाइटल का जल्द ही एलान किया जाएगा।

ये कलाकार होंगे फिल्म का हिस्सा

शाहिद कपूर ने पोस्ट में बताया है कि इसमें तृप्ति डिमरी अहम किरदार में होंगी। इसके अलावा दिशा पाटनी, नाना पाटेकर, फरीदा जलाल और अविनाश तिवारी भी फिल्म में नजर आएंगे। शाहिद कपूर ने पोस्ट में लिखा मैं यह बताते हुए बहुत उत्साहित हूं कि विशाल भारद्वाज के साथ मेरी चौथी फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई। नाम जल्द बताया जाएगा। हमेशा की तरह यह मेरे लिए एक नई दुनिया और एक बेहद अलग किरदार है। यह मेरे लिए बहुत खास है। शाहिद कपूर ने पोस्ट में लिखा तृप्ति डिमरी के साथ काम करके बहुत मजा आया। नाना पाटेकर ने जटिल सीन को आसान किया। फरीदा जलाल आपकी शालीनता के लिए शुक्रिया। अविनाश तिवारी आपकी प्लेलिस्ट के लिए शुक्रिया। दिशा पाटनी आपने और मैंने दोनों गानों में कमाल कर दिया।

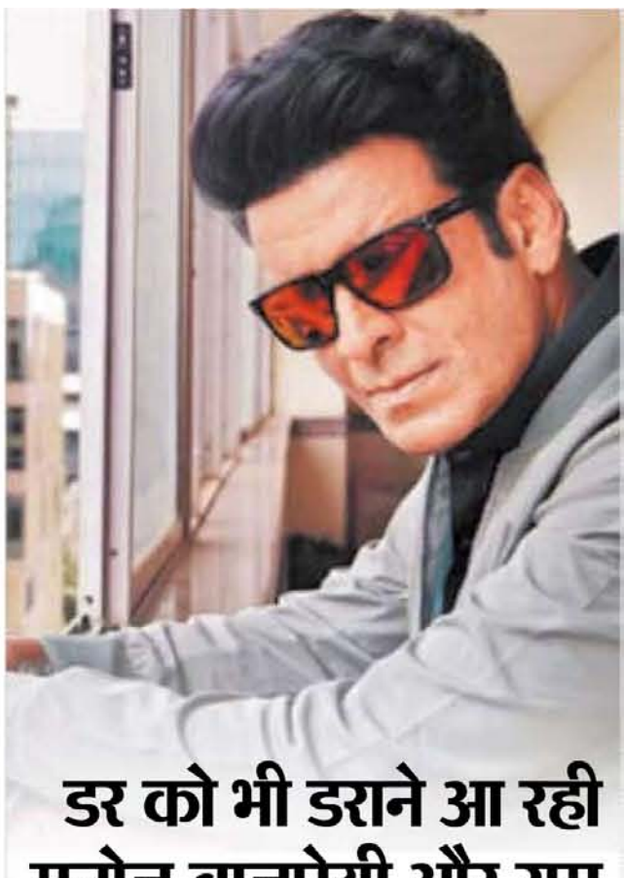

डर को भी डराने आ रही मनोज बाजपेयी और राम गोपाल वर्मा की फिल्म

30 साल बाद फिर करेंगे धमाका!

मुंबई का किंग कौन... साल 1998 में मनोज बाजपेयी और राम गोपाल वर्मा की जोड़ी ने सत्या के साथ इतिहास रचने का काम किया था। इसके बाद एक्टर-डायरेक्टर की इस जोड़ी ने हिंदी सिनेमा को शूल, रोड, कौन? जैसी बेहतरीन फिल्में दीं। अब करीब तीन दशक बाद दोनों फिर साथ आ रहे हैं। जी हां, राम गोपाल वर्मा और मनोज बाजपेयी ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है। शूटिंग शुरू हो चुकी है।

इस बार यह जोड़ी डराने के साथ ही हंसाने भी आ रही है। फिल्म हॉरर-कॉमेडी है और नाम पुलिस स्टेशन में भूत है। राम गोपाल वर्मा और मनोज बाजपेयी ने फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर भी शेयर किया है। राम गोपाल वर्मा लीक से हटकर फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में पुलिस स्टेशन में भूत अपने टाइटल के साथ ही एक दिलचस्प सिनेमाई अनुभव की उम्मीद जगाती है। फिल्म में मनोज बाजपेयी के साथ जिनिलिया डिसूजा की जोड़ी है। राम गोपाल वर्मा ने बताया है कि फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है।

यह बहुत खास है...

मनोज बाजपेयी ने फिल्म का फर्स्ट लुक मोशन पास्टर शेयर करते हुए लिखा है, शूटिंग शुरू। सत्या से अब तक... राम गोपाल वर्मा के साथ करीब 30 साल बाद दोबारा जुड़ना से रोमांच से भरा हुआ है। हमारी नई हॉरर-कॉमेडी पुलिस स्टेशन में भूत, यह बहुत खास है।

पुलिस स्टेशन में भूत का प्लॉट

फिल्म की कहानी में डर, विडंबना और राम गोपाल वर्मा की अपना अलग अंदाज है। फिल्म के पोस्ट पर लिखा है, आप मुर्दों को गिरफ्तार नहीं कर सकते। मेकर्स ने फिल्म के प्लॉट को लेकर कहा है, जब हम डरते हैं तो पुलिस स्टेशन भागते हैं, लेकिन जब पुलिस डरेगी तो वह कहां भागेगी?

यह डर के हमारे नजरिए की सीमाओं को तोड़ देगी

राम गोपाल वर्मा कहते हैं, सत्या के बाद मनोज के साथ फिर से काम करना पुरानी यादों और रोमांच दोनों को ताजा करता है। डर तब सबसे भयावह हो जाता है, जब वह सुरक्षा के सर्वोच्च अधिकार को चुनौती देता है। पुलिस स्टेशन शक्ति का ऐसा ही प्रतीक होता है। मनोज और जिनिलिया की की जोड़ी कहानी में डर को देखने के हमारे नजरिए की सीमाओं को तोड़ देगी।

पुलिस स्टेशन में भूत रिलीज डेट

हालांकि, अभी फिल्म की रिलीज को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन समझा जा रहा है कि तैयारी इसी साल के आखिर में या फिर अगले साल की शुरुआत में इसे सिनेमाघरों में रिलीज करने की है।

रेंजर में फॉरेस्ट ऑफिसर हैं अजय, संजय बने शिकारी

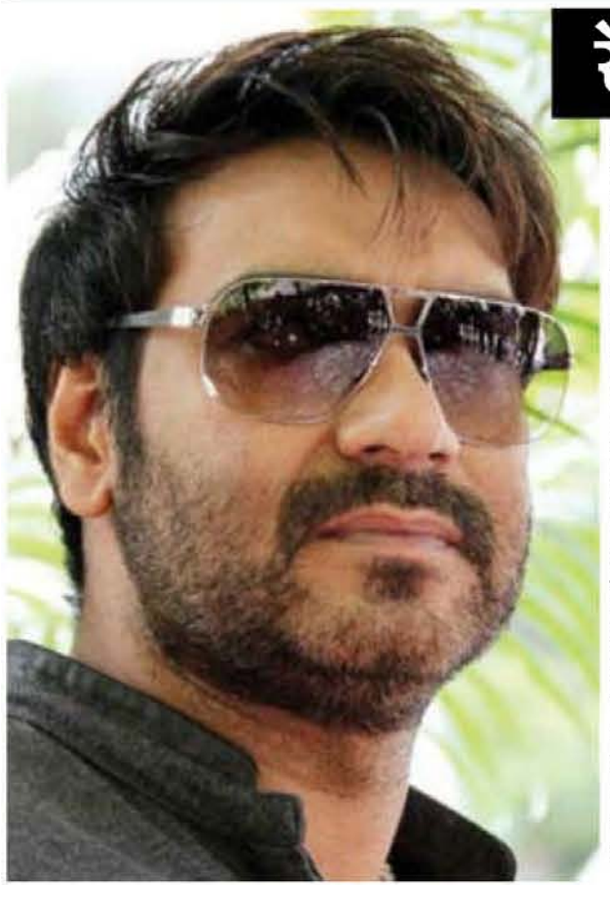

अजय देवगन और उनकी फिल्मों की शूटिंग्स पर मुंबई की बारिश का असर नहीं पड़ रहा है। वह लगातार अपनी कई फिल्मों को पूरी करने में जुटे हुए हैं। हाल ही में उनकी फिल्म दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग पूरी हुई है, जबकि वह रेंजर और धमाल 4 जैसी बड़ी फिल्मों को भी पूरा करने में लगे हुए हैं। फिल्म से जुड़े सूत्रों ने बताया कि रेंजर कुछ-कुछ इंडियाना जोन्स के जोन में है। उसमें संजय दत्त भी हैं। वह सुपरपावर वाले शिकारी के रोल में हैं। अजय यहीं पर नहीं थम रहे। वह कन्नड़ हॉरर कॉमेडी की रीमेक भी प्लान कर रहे हैं। जंगल में अजय और संजय करते दिखेंगे एक्शन, सितंबर या अक्टूबर में फिर शुरू होगी शूटिंग

अजय और संजय स्टारर रेंजर की शूटिंग हाल ही में श्रीलंका में हुई थी। हालांकि, फिलहाल इसकी शूटिंग रुकी हुई है लेकिन उम्मीद है कि सितंबर या अक्टूबर में यह फिर से शुरू होगी। इस फिल्म में संजय एक स्टाइलिश शिकारी की भूमिका में हैं, जो अपनी खास तकनीकों से जानवरों को नियंत्रित करता है। यह फिल्म किसी सुपरनैचुरल कहानी पर आधारित नहीं है, बल्कि जानवरों की तस्करी और उनके रखवालों की चुनौतियों की एक वास्तविक और रोचक कहानी है। फिल्म में अजय एक साहसी फॉरेस्ट रेंजर के किरदार में नजर आएंगे जो जंगल में जानवरों की रक्षा के लिए लड़ते दिखेंगे।

साउथ के निर्देशक जेपी के साथ एक हॉरर कॉमेडी फिल्म भी करेंगे अजय

अजय का काम धमाल 4 और रेंजर के साथ खत्म नहीं हो रहा है। इसके बाद, वह अपनी दो सबसे सफल फ्रेंचाइज गोलमाल 5 और दृश्यम 3 पर काम शुरू करेंगे। गोलमाल 5 की शूटिंग दिसंबर से शुरू होने की उम्मीद है, जबकि दृश्यम 3 की स्क्रिप्ट लिखी जा रही है और इसकी शूटिंग अक्टूबर में शुरू हो सकती है। इनके अलावा, अजय एक नए प्रोजेक्ट को लेकर भी चर्चा में हैं। खबरों के मुताबिक, वह कन्नड़ फिल्म सु फ्रॉम सो के निर्देशक जेपी तुमिनाड के साथ एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म के लिए बातचीत कर रहे हैं। इसका निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस करेगा। यह अजय के लिए एक नया जॉनर होगा।

दे दे प्यार... 2 की शूटिंग लंदन में पूरी, माधवन भी आएंगे नजर

अजय ने अपनी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग भी पूरी कर ली है। इस महीने की शुरुआत में ही वह लंदन से वापस लौटे हैं, जहां फिल्म के कई अहम सीन फिल्माए गए। इस सीक्वल में आर माधवन भी एक महत्वपूर्ण किरदार में नजर आएंगे, जो रकुल प्रीत सिंह के पिता की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की कहानी वहीं से शुरू होगी जहां पहले भाग का अंत हुआ था, जिससे दर्शकों को एक नई और दिलचस्प कहानी देखने को मिलेगी। माधवन के साथ अजय लगातार फिल्में कर रहे हैं। शैतान में दोनों का फेस ऑफ दिखा था। काजोल की मां के प्रमोशन में भी माधवन खास तमिलनाडु से मुंबई प्रमोशन और फ्रेंडशिप के लिए आए थे।

धमाल 4 के क्लाइमैक्स की शूटिंग भी है अभी बाकी

अजय की इंद्र कुमार द्वारा निर्देशित धमाल 4 की शूटिंग अभी पूरी नहीं हुई है। क्लाइमैक्स की शूटिंग बाकी है। मुंबई में हो रही बारिश के बावजूद फिल्म की शूटिंग जारी है। फिलहाल, फिल्म का कुछ काम बाकी है, जिसमें मड आइलैंड और अंधेरी के एक स्टूडियो में कुछ दिनों की शूटिंग शामिल है। गुरुवार को अजय मुंबई के मड आइलैंड पहुंचे। फिल्म में अजय के साथ एक पुरानी एक्ट्रेस को भी कास्ट किया गया है, जो दो बच्चों की मां का किरदार निभाएंगी। फिलहाल उनका नाम सामने नहीं आया है। इसके अलावा, रितेश देशमुख का भी कुछ दिनों का शूट बाकी है। जैसे ही यह काम पूरा होगा, फिल्म की शूटिंग पूरी हो जाएगी।

पंकज सिंह ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का किया दौरा, बांटी राहत सामग्री

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के विधायक एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह ने यमुना बाढ़ प्रभावित क्षेत्र, नियर रायपुर में पहुँचकर हालात का निरीक्षण किया तथा प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की।

पंकज सिंह ने कहा कि संकट की इस घड़ी में किसी भी परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। प्रशासनिक टीमें लगातार राहत एवं बचाव कार्य में लगी हुई हैं और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने के साथ-साथ भोजन, दवाइयाँ और आवश्यक सामग्री उपलब्ध करा रही हैं।

हिंडन नदी के आसपास के क्षेत्रों में संभावित जलभराव को देखते हुए अनेक शेल्टर होम बनाए गए हैं। चोटपुर, छिजारसी सहित सभी डूब क्षेत्र के गाँवों में जनता की सुरक्षा, भोजन, चिकित्सा और विश्राम आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। उन्होंने आश्वस्त किया कि हर प्रभावित परिवार की जरूरतों का ध्यान रखा जाएगा और पुनर्वास कार्य को त्वरित गति से पूरा किया जाएगा।

वहां पर जिला अध्यक्ष नोएडा महेश चौहान, अमित त्यागी, चंदगीराम यादव, डिंपल आनंद, गणेश जाटव, उमेश त्यागी, गिरजा सिंह, प्रदीप चौहान, राजपाल प्रधान, सुधीर चौहान, ओमवीर अवाना, मनीष शर्मा, गिरीश कोटनाला, राजकुमार झा, चमन अवाना, बबलू यादव भूपेश चौधरी, विपुल शर्मा, अशोक मिश्रा, राजकुमार बंसल, राहुल शर्मा, इंद्राज खटाना, रवि यादव, प्रवेश चौहान, उमेश पहलवान, नीरज चौहान, अमित कुमार, मनोज चौहान, प्रदीप यादव, लोकेश यादव, दुष्यंत चौहान, सुखपाल सिंह, कालूराम, उप जिलाधिकारी दादरी श्रीमती अनुज नेहरा एवं नोएडा के प्राधिकरण सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सेक्टर-93ए के पास एक्सप्रेस-वे पर पहुंच मार्ग को चौड़ा करने के निर्देश

सीईओ ने कहा सेक्टर-168 में एक पम्प हाउस का निर्माण कराए जाए

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम ने उप महाप्रबंधक सिविल विजय रावल और सर्किल अधिकारियों के साथ सेक्टर-93, 135, 163, 164, 166, 168 हिंडन नदी पर निर्माणाधीन पुल व पहुंच मार्ग का स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सेक्टर-93ए और सेक्टर-135 पंचशील अंडरपास के निकट बहुत दुर्गन्ध आ रही है।

इस संबंध में जल, सीवर विभाग को दुर्गन्ध के कारणों का पता लगाते हुए उसको जल्द दूर करने के निर्देश दिए गए। ताकि राहगीरों को असुविधा का सामना न करना पड़े। मुख्य कार्यपालक अधिकारी सेक्टर-93ए के पास एक्सप्रेस-वे पर पहुंच मार्ग को चौड़ा करने के लिए कहा गया। सेक्टर-164 के निरीक्षण के दौरान रोड के कुछ कार्य लंबित पाए गए। इस संबंध में रोड के सभी लंबित कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। सेक्टर-166,163 के रोड के प्लान को दोबारा प्लान करने के लिए निर्देशित किया गया।

इसके अतिरिक्त सेक्टर-166 के औद्योगिक भूखण्डों को भी नियोजित करने के नियोजन विभाग को निर्देश दिए गए।

सेक्टर-168 के निरीक्षण के दौरान देखा गया कि यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने पर स्लूस गेट बन्द होने के कारण उक्त क्षेत्र में प्राय: जलभराव हो जाता है, जिसके देखते हुए मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने सेक्टर-168 में एक पम्प हाउस का निर्माण कराए जाने के निर्देश दिये गए। सेक्टर-146 एवं 147 के पास हिंडन नदी पर निर्माणाधीन पुल और उसके पहुंच मार्ग के निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने पुल का निर्माण कार्य जल्द पूरा करने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण एवं उप्र राज्य सेतु निगम लिमिटेड से समन्वय करने के निर्देश दिए गए। साथ ही उक्त पुल के पहुंच मार्ग का निर्माण भी करने के निर्देश दिए। सेक्टर-135 के निकट यू-टर्न पर यातायात के दृष्टिगत कंक्रीट से मरम्मत करने के निर्देशित किया गया, ताकि यातायात में सुगमता रहे।

प्राधिकरण अधिकारियों ने फोनरवा को किए गए कार्यों की दी जानकारी

नोएडा (चेतना मंच)। आरडब्लूए की समस्याओं के समाधान के लिए फोनरवा के कार्यालय में वर्क सर्किल-3 व 5 के अंतर्गत आने वाली आरडब्लूए तथा नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जीएम एसपी सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक गौरव बंसल, प्रेमसेन, अनिल कुमार, पारस सोनकर तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में पूर्व में हुई आरडब्ल्यू के साथ बैठक पर लिए गए निर्णयो तथा उन पर होने बाली कार्यवाही कि जानकारी अधिकारियों ने बताई। इसके साथ साथ आरडब्ल्यूए कि अन्य समस्याओं पर भी चर्चा हुई।

इस अवसर पर अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा, महासचिव केके जैन, पवन यादव, नरेश चौहान, आनंदपाल चौहान, जी सी शर्मा, मोहिंदर सिंह, तिलक राज, संजय चौहान, श्रीमती अनिता जोशी, वीके कपूर, वीरेंद्र धर, एलओपी करण, शरद जैन, एनपी सिंह, अमित चौहान, प्रदीप वोहरा, संजय शुक्ला, मूल चंद, ए एस राणा, मुकेश कुमार त्यागी, श्रीमती प्रवेश शर्मा, डॉ जी एस सचदेवा, जंतर सिंह, राजेश सिंह, टी सी गौर, ओ पी राघव, संजय कुमार महतो, डॉ दिनेश कुमार शर्मा, सुनील वाधवा , विनीत अग्रवाल आदि सदस्य उपस्थित थे।

सर्फाबाद में नालियों पर बने रैंप तोड़े

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण जन स्वास्थ्य विभाग खंड 2 द्वारा सर्फाबाद गांव में नालियों में सफाई कराई गई। खण्ड-2 के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक आर.के. शर्मा ने बताया कि बीते काफी समय से ग्रामीणों ने अपने सामने की नालियों पर अवैध कब्जा जमाया हुआ था। जिसके चलते स्वास्थ्य विभाग नाली की सफाई नहीं कर पा रहा था और ग्रामीण क्षेत्र में जल भराव की समस्या लगातार बढ़ती जा रही थी। आज जन स्वास्थ्य विभाग डिवीजन दो द्वारा पहले नालियों से अतिक्रमण हटाते हुए सफाई का कार्य पूरा किया। इस मौके पर विभाग के अधिकारी एवं सहायक प्रबंधक मौके पर मौजूद रहे।

शासन के आदेश तक नहीं भेजे जाएंगे धारा-10 के नोटिस

सीईओ ने किसान संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों को दिया आश्वासन

नोएडा (चेतना मंच)। किसान संघर्ष समिति का एक प्रतिनिधिमंडल किसानो एव ग्रामीणो की समस्याओ को लेकर मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम से प्राधिकरण कार्यालय मे मुलाकात की तथा उनका आठ सूत्री मांगों का एक ज्ञापन भी सौंपा।

ज्ञापन में भवन निमावली में संशोधन कर भवनों की ऊँचाई सीमा 15 मीटर से बढ़ाकर 21 मीटर करने, तथा किसान के 5 प्रतिशत भूखण्ड पर धारा-10 के नोटिस भेजे जा रहे का विरोध प्रकट किया गया। मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम ने आश्वासन दिया की जब तक शासन से कोई भी निर्णय नही लिया जाता तब कोई भी कारवाई नही की जायेगी। कोई भी नोटिस नही भेजा जायेगा। इसके अलावा मांग की गई कि 1976 से 1997 के बीच किसान कोटे के आवंटित रोके हुए प्लाट की लीज कराई तुरंत दिया जाए व बचे हुए भूखंड को आवासीय स्कीम लाकर एक मुश्त प्लाट दिए जाये। 1997 से 2014 के बीच अधिग्रहण की गई जमीन के सापेक्ष 64.7 बडा हुआ मुआवजा व 10 प्रतिशत आवासीय भूखंड दिए जाये।

इस मौके पर महेश अवाना, मनोज चौहान, गौतम अवाना,वेद प्रधान,लीले प्रधान, इन्द्र यादव,हरि प्रधान, जगरेश लोहिया आदि लोग मौजूद थे।

व्यापारियों ने किया भाजपा के संयोजक विकास जैन का स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा साईट-4, कासना में व्यापारियों ने विकास जैन का बीजीपी व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक बनाए जाने पर स्वागत किया।

इस मौके पर नवनीत गुप्ता, निखिल अग्रवाल, सचिन गोयल, शक्ति सिंह, रवि शर्मा, अंकित गोयल, सुरेश बंसल, अरुण गोयल, महकर सिंह, वरुण कुमार, राहुल शर्मा, प्रशांत कुमार समेत अनेकों व्यापारी सम्मिलित हुए।